राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 292
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 04 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 दिल्ली में झगड़े के बाद सड़क पर महिला से मारपीट, फिर कार से घसीटा; 3 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर
पेज 5 जौनपुर में युवक ने एक ही परिवार के पांच सदस्यों पर गोली चलाई, एक की मौत, अन्य घायल
पेज 7 बिजली संकट ने बढ़ाया सरकार पर बोझ, 1.9 करोड़ टन कोयले का आयात करेगा भारत

कासगंज में बड़ा सड़क हादसा, 10 लोगों की मौत

बोलेरो ने टैंपो को इतनी तेज टक्कर मारी कि सवारियां उछलकर दूर गिरीं, 8 की हालत गंभीर

बोलेरो ड्राइवर की झपकी से हुआ हादसा

बोलेरो के ड्राइवर धीरेंद्र ठाकुर को अशोकपुर पर झपकी लग गई। इसके बाद बोलेरो बेकाबू हुई और ऑटो को रौंदती हुई किनारे झाड़ियों में जाकर फंस गई। घायल बोलेरो चालक से पुलिस ने बातचीत की तो यह यह जानकारी पता चली। पुलिस अधिकारियों ने बोलेरो के घायल ड्राइवर धीरेंद्र ठाकुर से बातचीत करते हुए हादसे की जानकारी ली। धीरेंद्र ने बताया कि वह अपने रिश्तेदारी में अंकित और दीपिका की हाल में ही 16 अप्रैल को हुई शादी के बाद बोले बाबा आश्रम पर आशीर्वाद दिलाने जा रहा था। जैसे ही अशोकपुर के पास गाड़ी पहुंची उसे झपकी लग गई और ऑटो में टक्कर हो गई। आंख खुली तो गाड़ी झाड़ियों में घुस चुकी थी।

एजेंसी

कासगंज। यूपी के कासगंज में मंगलवार सुबह बोलेरो और टेंपो की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। 6 गंभीर हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि टैंपो का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। उसमें सवार लोग उछलकर दूर गिरे। मृतकों में 9 टैंपो सवार हैं। जबकि एक बोलेरो चालक है। हादसा कायमगंज रोड में अशोकपुर मोड़ के पास हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पटियाली सीएचसी पहुंचाया है।

वहां से हालत गंभीर होने पर सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। टेंपो में 9 जबकि बोलेरो में 10 लोग सवार थे। टेंपो सवार मंदिर के दर्शन कर वापस आ रहे थे। मरने वालों में 7 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। टक्कर में बोलेरो के ड्राइवर की भी मौत हुई है।

किसी शव का हाथ नहीं था तो किसी का पैर

प्रत्यक्षदर्शी भंवर सिंह ने कहा, टेंपो और बोलेरो में आमने-सामने टक्कर हुई है।

दोनों ही तेज स्पीड में थी। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो से उछलकर कई सवारियां दूर सड़क पर गिरी। हम लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। हम लोगों को समझ में नहीं आ रहा था शव कैसे उठाए? किसी शव का हाथ नहीं था तो किसी का पैर। एक बच्चे का पूरा मुंह खराब हो गया था। कुछ शव उठाने में आधे गिरे जा रहे थे। बाद में खींचकर शवों को सड़क से हटाया गया।

कासगंज डीएम हर्षिता माथुर ने बताया कि हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। लोगों के घायल होने की सूचना है। अभी मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। कासगंज के एसपी रोहन प्रमोद बोत्रे ने बताया टेंपो सवार पटियाली तहसील में एक मंदिर का दर्शन करके लौट रहे थे। सभी फर्रुखाबाद से आए थे।

इनकी मौत हुई

मरने वालों में रूपरानी (50), गोपी(9), आरोही(7), सुनीता, नीरज देवी (48), मंजू शर्मा(45) और मीना देवी (45) शामिल हैं। ये सभी लोग फर्रुखाबाद के रहने वाले हैं। बोलेरो चालक की भी मौत हुई है।

ये लोग हुए घायल

धीरेंद्र ठाकुर, अमित, सुषमा, आराध्या(4) ,आस्था (4 माह) ,दीपिका, मंजीत, सुरजीत, श्रीदेवी, कमलेश समेत एक अन्य महिला हादसे में घायल हुई है।

सस्ता हुआ बच्चों का टीका

कोवोवैक्स टीके की कीमत 900 रुपए से घटकर 225 रुपए हुई, 12-17 वर्ष के बच्चों का है टीका

एजेंसी

नई दिल्ली। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने मंगलवार को कोवोवैक्स टीके की कीमत में भारी कटौती की है। एसआईआई ने हर खुराक की कीमत 900 रुपए से घटाकर 225 रुपए कर दी है। इसमें टैक्स शामिल नहीं है। 12-17 वर्ष की आयु के बच्चों के कोविड-19 टीकाकरण के लिए कोवोवैक्स को कोविन पोर्टल पर सोमवार को ही शामिल किया गया है।

टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की सिफारिश के बाद सोमवार को पोर्टल पर वैक्सीन विकल्प के प्रावधान को शामिल किया गया था। मंगलवार को सरकार और एसआईआई में नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने सरकार को सूचित किया है कि फर्म प्रत्येक खुराक की कीमत 900 रुपए से घटाकर 225 रुपए कर रही है। इसमें निजी अस्पतालों के लिए जीएसटी अलग से जुड़ेगा। इसके अलावा एक निजी अस्पताल सेवा शुल्क के रूप में 150 रुपए तक ले सकता है। कोवोवैक्स टीके की कीमत को कोविन पोर्टल पर संशोधित किया गया है। भारत के दवा नियामक ने पिछले साल 28 दिसंबर को वयस्कों के लिए और 9 मार्च को 12-17 आयु वर्ग में आपातकालीन स्थितियों में इसके सीमित उपयोग के लिए मंजूरी दी थी। वर्तमान में 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को बायोलॉजिकल ई के कॉर्बेवैक्स का टीका लगाया जाता है, जबकि 15-18 आयु वर्ग के बच्चों को सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर भारत बायोटेक का कोवाक्सिन मुफ्त में दिया जा रहा है। निजी केंद्रों पर कोवाक्सीन की एक खुराक की कीमत जीएसटी सहित 386 रुपए है, जबकि कॉर्बेवैक्स की कीमत 990 रुपए है।

बिजली संकट : कोयला ढुलाई में 9982 बोगियां डैमेज, मरम्मत करने में जुटी भारतीय रेलवे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 150 करोड़ रुपये की लागत से खदानों से बिजली संयंत्रों तक अधिक कोयला ले जाने के लिए 2,179 क्षतिग्रस्त बोगियों की मरम्मत की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। देश में असामान्य रूप से भीषण गर्मी के कारण बिजली की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यही वजह है कि अधिकारियों को आउटेज को रोकने के वास्ते कोयला भंडारण करने के लिए हाथ-पांव मारते देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, बिजली संकट और कोयले की ढुलाई के दबाव के साथ, भारतीय रेलवे बोगियों (वैगन) की मरम्मत में तेजी लाने के लिए लगातार काम कर रहा है ताकि बिजली संयंत्रों को कोयले की

आपूर्ति प्रभावित न हो। हमने क्षतिग्रस्त बोगियों की मरम्मत के लिए पांच नई फैसिलिटी स्थापित की हैं। भारत में इस साल की शुरुआत में गर्मी ने दस्तक दे दी, और मार्च रिकॉर्ड पर सबसे गर्म महीना था। मौसम ब्यूरो ने भविष्यवाणी की है कि उच्च तापमान मई तक जारी रहने की उम्मीद है। रविवार को पीक बिजली की मांग रिकॉर्ड 191,216 मेगावाट थी, और 207 मेगावाट की कमी थी। कोयले से चलने वाले संयंत्र देश में बिजली उत्पादन का मुख्य आधार हैं और संयंत्रों में कोयले की कमी हो गई है, जिससे संकट पैदा हो गया है।

जब से बिजली संयंत्रों द्वारा किराए पर लिए गए निजी ठेकेदारों ने जेसीबी का इस्तेमाल करके कोयले की अनलोडिंग शुरू की है, तब से कोयला बोगियों को नुकसान रेलवे के लिए चिंता का विषय बन गया है। यह पहले मैन्युअल रूप से किया जाता था।

एक कोयला बोगी की मरम्मत पर लगभग रु 5 लाख से रु 10 लाख खर्च किए जाते हैं। अधिकारी ने कहा, जेसीबी ने बोगियों के अंदरूनी हिस्से को हिट किया, जिससे गंभीर क्षति हुई, जिसके परिणामस्वरूप क्षतिग्रस्त बोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

डेनमार्क में मोदी ने दिया चलो इंडिया का नारा

कहा- हर भारतीय 5 विदेशी दोस्तों को भारत दर्शन के लिए भेजे, आप राष्ट्रदूत बनें

कोपेनहेगन। तीन दिनों की यूरोप यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डेनमार्क पहुंचे। डेनमार्क की पीएम फ्रेडरिक्सन ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने भारत-डेनमार्क के टॉप बिजनेस लीडर्स से मुलाकात की।

इसके बाद पीएम मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करने बेल्ला सेंटर पहुंचे। यहां उन्होंने सभी भारतीयों का आभार व्यक्त किया और लोगों को %चलो भारत% का नारा भी दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में रह रहा हर भारतवासी अगर पांच गैर-भारतीयों को घूमने के लिए भारत भेजने का काम करेगा तो भारत दुनिया का सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन जाएगा।

पीएम ने दिया चलो इंडिया का नारा

पीएम ने भारतीय समुदाय के बीच चलो इंडिया इनिशिएटिव का नारा दिया। पीएम ने कहा- हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा

है। अगर आप मानने वाले हैं तो मैं बताऊं। पीएम ने लोगों की खामोशी पर चुटकी लेते हुए कहा- आप लोगों को देखकर ऐसा लग रहा है कि पक्का कोई मुसीबत आ रहा है। मैं दुनिया में जितने भी देश वासी रह रहे हैं उनसे एक आग्रह करता हूं, आप हर वर्ष 5 गैर भारतीय फ्रेंड्स को भारत देखने के लिए भेजने का काम कर सकते है।

अभी से टारगेट कीजिए। आप उन्हें बताएं कि हमारे यहां ये है। इससे हम ताकत बन सकते हैं। पीएम ने चुटिले अंदाज में कहा कि ऐसा मत कहना कि वहां डायरेक्ट फ्लाइट नहीं है। एक जमाने में लोग पैदल भारत देखने आते हैं। हमें फिर से वातावरण बनाना है। दुनिया के लिए एक ही डेस्टीनेशन बन जाएगा इंडिया। ये काम राजदूतों का नहीं आप जैस राष्ट्रदूतों का है। आप ये करेंगे।

हमने दुनिया को सस्ती वैक्सीन दी

कल्पना कीजिए कि अगर भारत में हम वैक्सीनेशन को हर परिवार तक नहीं पहुंचा पाते, तो उसका दुनिया पर क्या असर होता? अगर भारत मेड इन इंडिया, सस्ती और प्रभावी वैक्सीन्स पर काम ना करता, बड़े स्केल पर प्रोडक्शन ना करता, तो दुनिया के अनेक देशों की क्या स्थिति होती? आज भारत जो कुछ भी हासिल कर रहा है, वो उपलब्धि सिर्फ भारत की नहीं है, बल्कि वो करीब वन-फिफ्थ ह्यूमेनिटी की उपलब्धि है।

हम पौधे को परमात्मा और नदी को मां मानने वाले

दुनिया को बेहतर बनाने के लिए भारत औक डेनमार्क की साझेदारी अहम है। भारत-डेनमार्क के संकल्प एक है। दुनिया को तबाह करने में भारत की कोई भूमिका नहीं है। हम तो वो लोग हैं तो पौधे में भी परमात्मा देखते हैं। हम वो लोग हैं जो नदी को मां मानते हैं।

जलवायु बचाने का लक्ष्य 9 साल पहले ही पूरा

दुनिया की भलाई को देखते हुए 2070 तक जलवायु बचाने का लक्ष्य बनाया है। 2030 का लक्ष्य हमने 9 साल पहले ही पूरा कर लिया है। भारत में हम सस्ती सोलर ऊर्जा पैदा कर रहे हैं। उसकी कीमत ढाई रुपए प्रति यूनिट से भी कम है। हम उसे दो रुपए तक लाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यह भी मानना होगा कि दुनिया जहां थी वहीं ठहरी है। हम कर पा रहे हैं इसका कारण है कि हम क्लाइमेट एक्शन को सरकारों की जिम्मेदारी की तरह देखते रहे हैं। जब तक सोसायटी इससे नहीं जुड़ेगी तब तक कुछ नहीं होता। जब हर व्यक्ति इसे खुद का दायित्व मानता है तभी हम यह कर पाते हैं।

डेनमार्क भारत के उपनिषद के करीब

डेनमार्क ग्रीन फ्यूचर में हमारा मजबूत साझेदार बन रहा है। हमारे बीच ग्रीन शिपिंग,साइंस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में साझेदारी है। हाइड्रोकार्बन पर किसानों की निर्भरता कम कर रहा है। डेनमार्क की कंपनियों के पास इसकी क्षमता है। आप अपने डेनमार्क के साथियों को इसके बारे में जरूर बताएं।

कोपनहेगन यूनिवर्सिटी में नीलबोर का नाम है। वे खुद की जरूरत के समय भारत के उपनिषद के पास जाते थे। आज नम्रतापूर्वक अपने डेनिस मित्रों से कहना चाहता हूं कि आप अपनी समस्याओं के लिए भारत आएं।

जो बधाइयां मुझे मिलती हैं, आपको समर्पित करता हूं

अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि आप लोगों ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री जी का और मेरा यहां जो भव्य स्वागत किया, उस के लिए मैं आप सभी का बहुत आभारी हूं। जो भी बधाइयां मुझे मिलती हैं, उन्हें आपको समर्पित करता हूं।

आज प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन का यहां होना इस बात का प्रमाण है कि भारतीयों के प्रति उनके दिल में कितना प्यार और सम्मान है।

महाराष्ट्र लाउडस्पीकर विवाद : राज का उद्धव सरकार को अल्टीमेटम

सीएम बोले- कार्रवाई के लिए परमिशन का इंतजार न करे पुलिस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) चीफ राज ठाकरे ने 4 मई को मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटने की सूरत में दोगुनी आवाज में हनुमान चालीसा बजाने का निर्देश अपने कार्यकर्ताओं को दिया है।

राज के इस आदेश के बाद मुंबई समेत पूरे राज्य में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी पुलिस को छूट देते हुए कहा है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को कंट्रोल करने के लिए किसी के आदेश का इंतजार नहीं करें। इस बीच मनसे कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी शुरू हो गई है।

औरंगाबाद रैली को लेकर राज पर केस दर्ज

रविवार को औरंगाबाद में हुई मनसे की रैली में नियमों के उल्लंघन के आरोप में

राज ठाकरे और इसके आयोजकों के खिलाफ औरंगाबाद के सिटी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ है।

रैली के दौरान राज ठाकरे पर 16 में से 12 नियमों को तोड़ने का आरोप है। जिसमें भड़काऊ भाषण देने और तय संख्या से ज्यादा लोगों को बुलाने का आरोप है।

राज ठाकरे अपने स्टैंड पर कायम

सोशल मीडिया में एक संदेश जारी कर राज ठाकरे ने कहा,मैं उद्धव ठाकरे से आव्हान करता हूं कि आप मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाइए। बाला साहेब ठाकरे होते तो ये कभी के लाउडस्पीकर उतर गए होते, क्या आप कुर्सी पर बैठाने वाले शरद पवार की सुनेंगे? राज ने आगे कहा,मैं हिंदुओं से अपील करता हूं कि जहां अजान के लाउडस्पीकर से सुप्रीम कोर्ट के नियम का उलंघन होता है। उनको अपनी हनुमान चालीसा सुनाएं। वहां आप 100 नंबर पर पुलिस को फोन करें। लाउडस्पीकर उतरवाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाएं।

गड़बड़ी की आशंका के चलते मुंबई में 465 लोगों को शहर से बाहर भेजा गया

मुंबई पुलिस ने आईपीसी की धारा 149 के तहत राज ठाकरे को नोटिस जारी किया है। मंगलवार को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पिछले एक महीने के दौरान शहर की 1144 मस्जिदों में से 803 ने नियमानुसार लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति ले ली है।

कोरोना से थोड़ी राहत : बीते दिन देश में कोरोना के 2,568 नए केस मिले

एजेंसी

नई दिल्ली। देश पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 2,568 नए केस मिले हैं। वहीं, 20 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, 5 दिनों बाद कोरोना मामलों में थोड़ी कमी हुई है। 27 अप्रैल से देश में लगातार 5 दिन तक कोरोना के 3 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे थे।

इसके साथ ही कोरोना के एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों में भी कमी देखने को मिली है। एक्टिव केस में घटकर 13,137 हो गए हैं। बीते दिन देश में एक्टिव केस 19,500 की संख्या 19,500 थी।

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना कहर बरपा रहा है। सोमवार को यहां 1,076 नए केस सामने आए। शनिवार को 1,520 नए केस मिले थे। बता दें कि दिल्ली में बीते कई दिनों से हजार से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। गनीमत की बात यह है कि बीते दिन दिल्ली में कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई।

राजधानी में दैनिक मरीजों की संक्रमण दर 4.89 से बढ़कर 6.42 हो गई। वहीं दिल्ली में कुल संक्रमित मरीजों का आंकड़ा भी बढ़कर 5,744 हो गया है। दिल्ली के आलावा और राज्यों में कोरोना की स्थिति की बात करें तो महाराष्ट्र में 92 केस, उत्तर प्रदेश में 193 केस, केरल में 296 और हरियाणा में 439 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 24 घंटे में हुई 34 मौतों में से 29 सिर्फ केरल में हुई हैं।

ईद पर बवाल

युवक की पीठ में चाकू मारा, तलवारें लहराकर उत्पात मचाया

जोधपुर में उपद्रवियों ने घरों में तेजाब की बोतलें फेंकी

जोधपुर। जोधपुर में दो गुटों के बीच हुए विवाद के 12 घंटे बाद भी पुलिस उपद्रवियों को रोकने में नाकाम रही। शहर को जलाने में उपद्रवी एक बार फिर सफल रहे। प्लानिंग के साथ आए उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाया। तेजाब से भरी बोतलें घरों पर फेंकी। दहशत फैलाने के लिए तलवारें लहराई। कबूतरों का चौक में दीपक परिहार नाम के युवक की पीठ पर चाकू से हमला कर दिया। युवक को महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां ऑपरेशन कर चाकू निकाला गया।

शहर के 14 से ज्यादा मोहल्लों में उपद्रवियों ने मंगलवार को जमकर

उत्पात मचाया और पत्थरबाजी की। जालोरी गेट से शुरू हुआ विवाद शहर की तंग गलियों तक पहुंच गया। यहां पहले जालप मोहल्ला में विधायक के घर के बाहर दो बाइक को आग लगा दी गई।

दंगाई यहां से सोनारों का बास मोहल्ले में पहुंचे। बाइक पर धार्मिक नारों के साथ रैली निकाली। इस बीच सोनारों का मोहल्ला में तलवार लहराते हुए उपद्रवी पहुंचे। यहां के लोगों ने बताया कि उपद्रवियों ने तेजाब से भरी बोतलें उनके घरों पर फेंकी। इस दौरान नकाबपोश युवकों ने हमला बोल दिया और पत्थरबाजी की। महिलाओं ने बताया कि उनके साथ छेड़खानी भी की गई। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और स्थानीय लोग भी डंडे लेकर सड़कों पर उतरे।

प्लानिंग के साथ आए उपद्रवी

शहर में जालोरी गेट, शनिचरजी का थान, कबूतरों का चौक, भीमजी की हथाई, घोड़ों का चौक, सोनारों का बास सहित कई मोहल्लों में उपद्रवियों की भीड़ गई। प्लानिंग के साथ आए उपद्रवियों के पास तलवारें, तेजाब की बोतलें, पत्थर, लाठियां थीं। हर मोहल्ले में उपद्रवियों के अलग-अलग ग्रुप उत्पात मचाने गए थे। उपद्रवियों की भीड़ ने यहां दूसरे पक्ष के लोगों के घरों को निशाना बनाया और घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की। करीब 40 से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ की और एक बाइक में आग भी लगा दी। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की।

विवाद के बाद भी पुलिस ने भीड़ को इकट्ठा होने से नहीं रोका

जालोरी गेट चौराहा पर दो पक्षों के बीच रविवार देर रात को झंडा फहराने की बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद पुलिस देर रात तक उपद्रवियों को शांत कराने में लगी रही, लेकिन सोमवार सुबह जालोरी गेट चौराहा के पास स्थित मस्जिद के पास एक पक्ष के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

शार्ट न्यूज

सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद किया बरामद

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश पुलिस और सेना के 14 राजपूत रेजीमेंट ने सोमवार को चांगलांग जिले के मनमाओ थाना में फिनबिरो-1 के जंगली इलाक से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। चांगलांग के पुलिस अधीक्षक मिहिन गैम्बों ने कहा,इस हथियार और गोला बारूद को एक प्रतिबंधित विद्रोही संगठन द्वारा छुपाए जाने की आशंका है। जानकारी के अनुसार, बरामदगी में एक एके-56 राइफल, चार जिंदा कारतूस, दो एसबीएमएल बंदूकें, एक 0.22 पिस्तौल के साथ तीन जिंदा कारतूस, 40 ग्राम गुलाबी पाउडर और करीब 450 ग्राम वजन की संदिग्ध विस्फोटक वाली एक बोतल शामिल है। गैम्बो ने कहा कि सभी बरामद सामान को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इसी बीच चांगलांग पुलिस की एक नशीली दवाओं के विरोधी दस्ते (एडीएस) की टीम ने पुलिस उपाधीक्षक पुल जेरांग के नेतृत्व में दो ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से संदिग्ध वर्जित ड्रग्स बरामद किया। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर नशीली दवाओं के तस्करों की पहचान वांगपोंग तंगा (46) और हुनसम तंगा (28) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ संबंधित मामला में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेजने के आरोप में एक गिरफ्तार

पठानकोट। पंजाब के पठानकोट में पुलिस ने पाकिस्तान को सीमांत क्षेत्रों की खुफिया जानकारी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान भेजने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जगदीश सिंह उर्फ जग्गा निवासी गांव फतेचक्क थाना नरोट जैमल सिंह के रूप में हुई है, उससे कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। पुलिस थाना नरोट जैमल सिंह के प्रभारी इंस्पेक्टर कुलवंत सिंह ने मंगलवार को बताया कि आरोपी पाकिस्तान को खुफिया जानकारी मुहैया करवाता था। उसे सोमवार गांव फतोचक्क से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उस पर आर्म्स और एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करके जांच आरंभ की है। पुलिस को कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि क्षेत्र का एक व्यक्ति इंटरनेट मीडिया के सहारे पाकिस्तानी तस्करों से तालमेल करता है। सूचना के आधार पर पुलिस की ओर से क्षेत्र की घेराबंदी करके आरोपी को उस समय गिरफ्तार किया जब अपने गांव आ रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तो वह पिछले चार-पांच महीनों से अलग-अलग दो मोबाइल नंबरों से पाकिस्तान में बात करता था। उन्हें क्षेत्र की खुफिया जानकारी मुहैया करवाता था। इसके बदले में वह पाकिस्तान से नशीले पदार्थ और अन्य सामान मंगवाता था। युवक पर सुरक्षा एजेंसियां पिछले कई दिनों से निगाह रखे हुए थे, परंतु वह पकड़ में नहीं आ रहा था। जगदीश खेतीबाड़ी का काम करता है। अब उसके पूरे परिवार की हिस्ट्री खंगाली जा रही है। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस पहले उसका सिविल अस्पताल पठानकोट में मेडिकल करवाएगी और फिर कोर्ट में पेश करेगी।

कोटा संभाग में दिन भर रही आखातीज और ईद की धूम

कोटा। राजस्थान के कोटा संभाग में आज वैवाहिक और त्योहार के मौके पर जमकर धूमधाम रही क्योंकि आज एक और जहां अक्षय तृतीया यानी आखातीज का अबूझ सावा था वही मुस्लिम समुदाय के पवित्र माह रमजान की समाप्ति के बाद ईद-उल-फितर का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया गया। ईद का त्योहार जैसे धार्मिक उत्सव और विवाह सरीखे सामाजिक समारोहों का महत्व इससे अधिक बढ़ गया है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण के बाद बीते दो साल से भी अधिक समय में यह पहला बड़ा मौका आया जब अक्षय तृतीया के मौके पर समूचे हाडोती संभाग में कई सौ जोड़े इस अबूझ सावे के मौके पर नए जीवन की शुरुआत करने के लिए विवाह बंधन में बधें। कोटा संभाग में आज ही मुस्लिम समुदाय ने ईद-उल-फितर का पावन त्यौहार मनाया। तकरीबन एक माह के रमजान की समाप्ति के बाद आज अकीततमंद ईदगाहों पर जुटे और खुदा की इबादत करने के उपरांत एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की। शहर में मुख्य समारोह किशोरपुरा स्थित ईदगाह पर हुआ जहां नायब शहर काजी ने नमाज अता करवाई जबकि शहर काजी अनवार अहमद ने तकरीर पढी। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने भी वहां पहुंच कर मुस्लिमों को ईद की बधाई दी। इसके अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अता की गई।

पूनियां ने उपद्रव की घटनाओं की निष्पक्ष जांच को लेकर राज्यपाल से किया आग्रह

जयपुर। राजस्थान के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां ने राज्यपाल कलराज मिश्र को पत्र लिखकर राज्य में उपद्रव एवं हिंसा की घटनाओं की निष्पक्ष जांच एवं इनमें लिप्त अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने का आग्रह किया हैं। जोधपुर में उपद्रव की घटना के बाद डा पूनियां ने श्री मिश्र को लिखे पत्र में अनुरोध किया कि ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार को आवश्यक दिशा निर्देश जारी करावें ताकि प्रदेश में शांति स्थापित हो सके एवं सांप्रदायिक घटनाओं की प्रदेश में पुनरावृति ना हो, साथ ही उक्त घटनाओं में लिप्त अराजक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा कि राज्य में कांग्रेस सरकार की तुष्टीकरण की राजनीति से सांप्रदायिक वैमनस्य फैल रहा है। जिसका परिणाम पहले करौली इसके बाद जोधपुर में सामने आया है। जोधपुर शहर में सोमवर रात को जालोरी गेट चौराहे पर स्वतंत्रता सेनानी बालमुकंद बिस्सा की प्रतिमा और उसके चारों ओर अराजक तत्वों ने इस्लामिक झण्डे लगा दिये और भगवान परशुराम की जयंती को लेकर लगाये गये केसरिया झण्डे हटा दिये। इस दैरान अराजक तत्वों ने पथराव किया एवं लाठी डंडों से हमला किया जिसमें आमजन सहित कई पुलिसकर्मी एवं पत्रकारों के भी चोंटे आई। जानकारी में यह भी सामने आया है कि आज सुबह भी अराजक तत्वों ने पथराव कर माहौल खराब करने का षड़यंत्र रचा गया। उन्होंने पत्र में लिखा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार की तुष्टीकरण की राजनीति एवं बिगड़ी कानून व्यवस्था के कारण प्रदेश में बहुसंख्यकों में भय का माहौल व्याप्त है हुआ है। साथ ही प्रदेश की साख पूरे देश में धूमिल हुई है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच हो एवं राज्य सरकार को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करावे ताकि प्रदेश में शांति स्थापित हो सके।

हनी ट्रैप के शिकार से महिलाओं ने मांगे ढाई लाख रुपए

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में खाटूश्यामजी थाना क्षेत्र में पुलिस ने हनी ट्रैप मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार कर युवक से एक लाख रूपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि सोमवार को किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर ग्रामीण निवासी 32 वर्षीय युवक राम सिंह ने थाना खाटू श्याम जी में एक परिवाद दिया। जिसमें बताया कि 30 अप्रैल को उसके पास अंजान नंबर से एक युवती का कॉल आया। जिसने उसे जीजाजी संबोधित कर पहचानने के लिए कहा। नही पहचानने पर सुमन नाम बता कर खाटूश्यामजी मिलने के लिए बुलाया। उसी दिन वह युवती से मिलने के लिये खाटूश्यामजी चला गया। खाटूश्यामजी में मिली युवती उसे एक होटल में ले गई। अगले दिन एक अन्य महिला ने युवक को कॉल कर अपने आपको सुमन की मां बताया और कहा कि कल तुम्हें और मेरी बेटी को मेरे जमाई ने देख लिया है, तुम आकर राजीनामा कर लो। जब वह युवक खाटूश्यामजी गया तो उन महिलाओं ने रेप के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ढाई लाख रुपए मांगे। थानाधिकारी रिया चौधरी ने एक जाल बिछाकर युवक युवक को एक लाख रूपए देकर महिलाओं द्वारा बताई गई जगह मण्डा चौराहे पर भेजा। जैसे ही उन महिलाओं ने युवक से पैसे लिए पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया।

सीआरएस की रिपोर्ट में दावा

भारत में कोरोना ने ली कुल 5.2 लाख लोगों की जान

एजेंसी

नई दिल्ली। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कोरोना से अब तक 5.2 लाख लोगों की जान जा चुकी है। सीआरएस 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि 28 अप्रैल 2022 तक कोरोना की वजह से कुल 5,23,693 लोगों की मौत हुई।

साल 2020 में कोरोना से कुल 1.48 लाख लोगों की जान गई थी। वहीं 2021 में यह संख्या बढ़कर 3,32,492 हो गई।

2022 में अब तक कोरोना से 42,207 लोगों की मौत हुई है। बता दें कि सीआरएस के तहत भारत में जन्म और मृत्यु का रेकॉर्ड रखा जाता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में जन्म रजिस्ट्रेशन में भारी गिरावट दर्ज की गई थी तो दूसरी तरफ डेथ रजिस्ट्रेशन बहुत बढ़ गया था। सीआरएस रिपोर्ट 2020 में कहा गया है कि बर्थ रजिस्ट्रेशन घटकर 5.98 लाख पर आ गया था जो कि 2018 में 11.65 लाख और 2019 में 15.51 लाख था। 2020 के आंकड़ों में देखा जा सकता है कि 2019 की तुलना में मरने वालों की संख्या 4.75 लाख बढ़ गई थी। मंगलवार को भारत में कोरोना के कुल 2568 नए मामले दर्ज हुए। इसके साथ ही कोरोना संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,30,84,913 हो गई। अब केवल 19137 मरीज ही उपचाराधीन हैं।

मंगलवार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 20 मरीजों की जान गई थी। इस समय डेली पॉजिटिविटी रेट 0.61 है।

भारत में वैक्सिनेशन भी तेजी से चल रहा है। अब तक 189.23 करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी हैं।

हिजबुल के 3 आतंकवादियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने सीमा पार से आतंकवादियों और अलगाववादी करतूतों के लिए मदद पहुंचा रहे हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकवादियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

एसआईए के प्रवक्ता ने बताया कि डोडा जिले के कश्तीगढ़ निवासी आसिफ शब्बीर नाइक और पाकिस्तान से आतंकवादी हरकतों को अंजाम देने में मदद कर रहे उसके पिता शब्बीर हुसैन नाइक उर्फ खालिद शब्बीर और पाकिस्तान से अपनी आतंकवादी करतूतों को अंजाम दे रहे डोडा जिले के मरमत गांव निवासी सफदर हुसैन उर्फ एहसान के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

जांच एजेंसी ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जम्मू की टाडा/पोटा/एनआईए की विशेष अदालत में ये आरोप पत्र दाखिल किये। प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले में जांच सात नवंबर, 2021 को शुरू हुई और यह पाकिस्तान में छिपे जम्मू-कश्मीर के निवासियों की पहचान करने और सीमा पार से आतंकवादी और अलगाववादी करतूतों को मदद करने वालों की खिलाफ रणनीति बनाने के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

आसिफ शब्बीर नाइक को श्रीनगर हवाईअड्डे पर उस समय रोक लिया गया था, जब वह खुफिया इनपुट के आधार पर पाकिस्तान वापस भागने की कोशिश कर रहा था। वह यह बताकर कि वहां पढ़ रहा है, पाकिस्तान भागने की फिराक में

था। खुफिया सूचनाओं के मुताबिक वह वास्तव में आतंकवादी और अलगाववादी प्रशिक्षण केन्द्रों का दौरा करता रहा है।

इसके बाद आसिफ शब्बीर नाइक को गिरफ्तार कर लिया गया था और वह न्यायिक हिरासत में है। अन्य दो आरोपियों, मास्टरमाइंड शब्बीर हुसैन नाइक और उसके सहयोगी पाकिस्तान में छिपे सफदर हुसैन को फरार घोषित किया गया है।

कश्मीर में शांतिपूर्ण तरीके से मनायी गयी ईद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में ईद शांतिपूर्ण तरीके से मनायी गयी और इस दौरान विभिन्न मस्जिदों में लोगों ने नमाज अता कर एक दूसरे को बधाई दी।

कश्मीर में ईद की नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग हज़रतबल मस्जिद पहुंचे । पूर्व मुख्यमंत्री फ़ारूख़ अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला ने भी इसी मस्जिद में ईद की नमाज अन्य सभी लोगों के साथ मिलकर अता की।

रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति पर मनाया जाने वाला ईद उल फित्र का त्योहार कश्मीर में दो दिन मनाया जाता है। इस दौरान दो दिन लोगों एक दूसरे के घर जाकर ईद की मुबारकबाद देते हैं। दूसरी ओर श्रीनगर में प्रशासन और अंजुमन औकफ जामिया मस्जिद के बीच विवाद के कारण जामिया मस्जिद और ईदगाह में ईद की नमाज नहीं अता की गयी । इस कारण लोगों ने पुराने शहर में निकट की मस्जिदों में नमाज़ अता की। यह लगातार तीसरा साल है जब जामिया मस्जिद और ईदगाह में नमाज अता नहीं की गयी। कोविड के कारण इन मस्जिदों में पिछले दो साल से नमाज नहीं पढ़ी जा सकी है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ईदगाह को सुरक्षा बलों ने चारों ओर से पूरी तरह से घेर रखा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए ईदगाह में नमाज की इजाजत नहीं दी गयी है। ईदगाह में नमाज के समय को लेकर जामिया मस्जिद की प्रबंधन संस्था अंजुमन औकफ जामिया मस्जिद और प्रशासन के बीच विवाद हुआ।

हार्दिक पटेल पर कयासों के बीच तीन बार के विधायक अश्विन कोतवाल ने छोड़ी कांग्रेस; बीजेपी से जुड़े

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, कांग्रेस पार्टी में असंतोष लगातार सामने आ रहा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हार्दिक पटेल पहले ही पार्टी के प्रति अपने बागी तेवर दिखा चुके हैं। इस बीच मंगलवार को गुजरात में कांग्रेस पार्टी को एक और झटका लगा। तीन बार के विधायक और आदिवासी नेता अश्विन कोतवाल ने बीजेपी का दामन थाम लिया। माना जा रहा है कि वह विपक्षी नेता के तौर पर दूसरे आदिवासी नेता सुखराम राठवा के चुने जाने से नाराज चल रहे थे। उन्होंने एक महीने से अधिक समय से कांग्रेस कार्यालय तक आना बंद कर दिया था।

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी की चिंताएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के आदिवासी नेता अश्विनी कोतवाल ने कांग्रेस छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया। अश्विनी कोतवाल तीन बार विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनका जाना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कोतवाल ने कहा कि वह कांग्रेस के विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में काम करने के तरीके से नाखुश हैं। उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले के खेड़ब्रह्मा के विधायक कोतवाल ने गांधीनगर में पार्टी मुख्यालय कमलम में गुजरात भाजपा प्रमुख सी आर पाटिल की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होने से पहले मंगलवार दोपहर गुजरात विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा। कोतवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2007 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर मुझसे मुलाकात की था और राज्य के प्रत्येक आदिवासी के लिए एक पक्का घर होने के अपने संकल्प को साझा किया था। आज देश के प्रधान मंत्री के रूप में वह आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

गौरतलब है कि कोतवाल, जिनका इस्तीफा दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से लगभग सात महीने पहले आया है, कांग्रेस के करीब दर्जन से अधिक विधायकों की लंबी सूची में शामिल हो गए, जिन्होंने 2017 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा का दामन थामा है। 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थीं और बीजेपी ने 99 सीटें जीती थीं।

राज ठाकरे की धमकी के बीच मुंबई में 803 मस्जिदों को लाउडस्पीकर की इजाजत

मुंबई। महाराष्ट्र नव निर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे की लाउडस्पीकर को लेकर जारी चेतावनी के बीच मुंबई पुलिस कमिश्नर ने मंगलवार को कहा कि शहर में 803 मस्जिदों को लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति दी गई है। मस्जिदों द्वारा कुल 1,144 आवेदन आए थे, पुलिस प्रमुख संजय पांडे ने कहा, शेष मस्जिदों के आवेदनों को सत्यापित किया जा रहा है और प्रक्रिया चल रही है। इससे पहले राज ठाकरे ने ऐलान किया है कि 4 मई को जिन मस्जिदों में लाउडस्पीकर से अजान हुई तो उन्हीं इलाकों में लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा चलाई जाएगी।

मनसे के प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार को 3 मई तक सभी मस्जिदों के बाहर लाउडस्पीकर हटाने के लिए कहा था। इसके बाद मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति के जरिए ऐलान किया कि 4 मई को शहर की जिन मस्जिदों में लाउडस्पीकर से अजान हुई तो उन इलाकों में लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा चलाई जाएगी।

गौरतलब है कि औरंगाबाद में हाल ही में एक रैली के दौरान मनसे प्रमुख ने 4 मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाए जाने पर हनुमान चालीसा का जाप करने का आह्वान किया था। इसके बाद, महाराष्ट्र में शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के निर्देश पर मंगलवार को औरंगाबाद की चौक पुलिस ने ठाकरे और रैली के आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मनसे प्रमुख पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के प्रावधान शामिल हैं।

मनसे प्रमुख के चचेरे भाई और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिन में पहले राज्य के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल के साथ कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की। बाद में, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश सेठ ने कहा कि पुलिस किसी भी तरह के कानून और व्यवस्था से संबंधित मामलों को संभालने के लिए तैयार है, कहा कि महाराष्ट्र के सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, लाउडस्पीकर विवाद को देखते हुए राज ठाकरे के मुंबई स्थित आवास %शिवतीर्थ% के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने मनसे सुप्रीमो के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने पर सड़कों पर उतरने की चेतावनी दी है।

खट्टर सरकार युवाओं का भविष्य चौपट करने पर तुली है : सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार प्रदेश के युवाओं का भविष्य चौपट करने पर तुली हुई है।

उन्होंने आज यहां एक बयान में कहा कि यह सरकार न तो सरकारी भर्तियों को ही सिरे चढ़ा पा रही है और न ही प्रदेश में उद्योग धंधों को बेहतर माहौल दे पा रही है। सरकार में पेपर लीक और भर्तियां रद्द होने का रिकॉर्ड बन चुका है। नौकरियां बेची जा रही हैं। इसी वजह से सीएमआईई की रिपोर्ट में देश के अन्य राज्यों के मुकाबले हरियाणा बेरोजगारी के मामले में लगातार टॉप पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएमआईई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में बेरोजगारी दर 7.83 प्रतिशत है, जबकि हरियाणा में बेरोजगारी की दर अन्य राज्यों के मुकाबले सर्वाधिक 34.5 प्रतिशत पहुंच गई है। लोगों के रोजगार जा रहे हैं और नए अवसर सृजित नहीं हो पा रहे हैं। दो साल से नौकरियां न के बराबर मिली हैं। नई नौकरी मिलना तो दूर जो सरकारी भर्तियां चल रही होती हैं उनमे में भी कभी पेपर लीक हो जाता है, तो कभी कोर्ट में केस के कारण भर्ती अटक जाती है। इस वर्ष एचएसएससी ने 41 हजार भर्तियां रद्द की हैं।

इस सरकार में उद्योग धंधे भी तबाह हो चुके हैं। बीते दो माह में ही निजी क्षेत्र में 4.52 लाख मजदूरों का रोजगार छिन चुका है। उनके अनुसार इन आकंड़ों से साफ है कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की गलत नीतियों की वजह से युवाओं को रोजगार नहीं मिला है।

भगवान परशुराम का देवभूमि से गहरा नाता : जयराम

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि देवभूमि हिमाचल प्रदेश से भगवान परशुराम का गहरा नाता है क्योंकि सिरमौर जिले की रेणुका झील भगवान परशुराम की मां माता रेणुका को दर्शाती है। कांगड़ा बाईपास के समीप पांच करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले भगवान परशुराम संस्कृति भवन का शिलान्यास करने के बाद श्री ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि हर वर्ष रेणुका में रेणुका मेला आयोजित किया जाता है जो मां और पुत्र के मिलन का प्रतीक है। ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के अवतार थे। मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि भगवान परशुराम ने हमेशा ही कमजोर वर्ग के उत्पीड़न और उनके साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम शास्त्र और शस्त्र दोनों के ज्ञाता थे। भगवान शिव ने असहाय और शक्तिहीन की रक्षा के लिए भगवान परशुराम को परशु प्रदान किया था और उसके बाद उनका नामकरण परशुराम हुआ।

शिक्षा में क्रांति लाने में अहम भूमिकाएं निभाएंगी क्षेत्रीय भाषाएं : शाह

एजेंसी

बेंगलुरु। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार उच्च शिक्षा में बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं शिक्षा में क्रांति लाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

शाह ने मंगलवार को यहां नृपतुंगा रोड पर नृपतुंगा विश्वविद्यालय के उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश की दौलत हैं और अगर उन्हें भरपूर रोजगार दिया जाए, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि देश विश्व में प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान दुनिया की सर्वोच्च शक्ति है जिसके बल पर देश के युवा असीमित सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी के 75 साल होने पर केंद्र सरकार सभी छात्रों में देशभक्ति की भावना पैदा करने की इच्छा रखती है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले आठ सालों में 410 उच्च शिक्षा संस्थानों का स्थापित किया गया है जिनमें सात आईआईएम, 15 एम्स और छह केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वोत्तर इलाके को नजरंदाज किया जाता था लेकिन भारतीय जनता पार्टी सरकार बनने के बाद सभी विकास के कामों में इस क्षेत्र को साथ में लेकर काम किया है। यहां तक कि शिक्षा के क्षेत्र में भी.लद्दाख में सिंधु यूनिवर्सिटी को स्थापित किया गया।

उन्होंने कहा कि लोगों को समय पर कर का भुगतान करना चाहिए, यातायात नियमों का पालन करना चाहिए और ईमानदार रहना चाहिए। इससे देश को प्रगति करने में मदद मिलेगी।

शाह ने कहा कि बसवन्ना को सभी वर्गों के लोगों की भलाई के लिए उनकी शपथ से सशक्त बनाया गया था। हमें उनकी शांति और सद्भावना को अपनाने की जरूरत है।

शाह ने कहा कि निरुपतुंगा विश्वविद्यालय आज शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि इन तीन वर्षों में देश भर में कई नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि बेल्लारी में आज नई क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला खोली गई, जो त्वरित सजा और न्याय को कायम रखने में मदद करेगी।

इस अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक का भविष्य शानदार है। यह बदलाव का पहाड़ है।

देश के 46 प्रतिशत युवा हमारी संपत्ति हैं। हमारे राज्य को नई शिक्षा नीति अपनाने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि 50 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित निरूपतुंगा विश्वविद्यालय शिक्षा, रोजगार और अधिकारिता प्रदान करेगा।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए 75 करोड़ रुपये की लागत से निर्भया योजना लागू की जा रही है।

कार्यक्रम में राज्य के उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. सी एन अश्वत्थ नारायण ने कहा कि नलवाड़ी कृष्णराजा वोडेयार द्वारा शुरू किया गया गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ साइंस आज एक बड़े विश्वविद्यालय के रूप में खड़ा है। इस विश्वविद्यालय का मिशन युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और छात्रों की भूख मिटाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। नई शिक्षा नीति छात्रों के लिए व्यापक शिक्षा प्राप्त करना संभव बनाती है। इससे छात्रों को अपनी प्रतिभा विकसित करने का मौका मिलेगा। राज्य में छह नए विश्वविद्यालय खोले गए हैं और सात और खोले जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य हर जिले में एक विश्वविद्यालय खोलना है।

राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि बेल्लारी क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला पीड़ितों और पीड़ितों के परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। कर्नाटक में ऐसी सात फोरेंसिक प्रयोगशालाएं हैं।

राज्य ने केंद्र सरकार से आने वाले दिनों में 50 एकड़ पर विद्या विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सहायता का अनुरोध किया है।

कार्यक्रम में केंद्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी, सांसद पीसी मोहन, पुलिस मुख्य अधीक्षक प्रवीण सूद, कॉलेज एवं तकनीकी शिक्षा आयुक्त प्रदीप प्रदीप तथा नृपतुंगा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. श्रीनिवास एस.बेली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शार्ट न्यूज

गाजीपुर के रेवतीपुर गांव की अनन्या राय का 19वीं सीनियर एशियन महिला वालीबाल के लिए भारतीय टीम में हुआ चयन

नई दिल्ली। गाजीपुर के रेवतीपुर गांव की अनन्या राय का 19वीं सीनियर एशियन महिला वालीबाल के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। कोलकाता में सहायक पोस्टमास्टर के पद पर तैनात अनन्या राय चीन के वांगजू में 10 से 25 सितंबर तक होनी वाली 19 वीं सीनियर एशियन महिला वालीबाल में भाग लेंगी। 21 जुलाई 1998 को रेवतीपुर गांव के धन्नीराय पट्टी निवासी शिक्षक राजेश राय के घर जन्म लेने वाली अनन्या वॉलीबाल महिला वर्ग के विभिन्न वर्गों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। प्रा. शिक्षा रूद्रपुर में लेने वाली अनन्या बचपन से ही वॉलीबाल खेलने की शौकीन रही। वीरबहादुर सिंह स्पोर्टस कालेज गोरखपुर से इंटर की शिक्षा पूरी होने के बाद कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले वह 2014 में अंडर -17 में थाईलैंड में, 2017 में चीन में अंडर -19 के ब्रिक्स गेम के अलावा अफ्रीका, ब्राजील, रूस सहित अन्य देशों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

एमसीडी कार्यालय के कबाड़ गोदाम में आग लगी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के केशव पुरम क्षेत्र में एमसीडी कार्यालय के कबाड़ गोदाम में मंगलवार शाम भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक शाम 5.25 बजे आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद दमकल की आठ से नौ गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा कि आग एमसीडी कार्यालय के गोदाम में पड़े कबाड़ में लगी। अधिकारियों ने बताया कि शाम 6:45 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया।

शादी समारोह में ऑटो चालक की पीट-पीट कर हत्या, इलाके में तनाव

गुरुग्राम। गुरुग्राम में शादी समारोह में शामिल होने गए 22 वर्षीय ऑटो चालक की आधा दर्जन से ज्यादा युवकों ने लाठी-डंडों से पीट-पीट कर हत्या कर दी। आरोपियों का लेन-देन को लेकर ऑटो चालक के बड़े भाई से रंजिश चल रही थी, न की ऑटो चालक से। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने भाई की शिकायत पर मंगलवार को सेक्टर-9ए थाने में सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। रवि नगर निवासी रोहित सोलंकी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सोमवार रात को दोस्त अजय शर्मा के शादी समारोह में शामिल होने के लिए सेक्टर-9 स्थित सामुदायिक भवन में गया था, उसके कुछ देर बाद छोटा भाई सुमित सोलंकी भी वहां आ गया। आरोप है कि तभी रवि नगर निवासी विशाल उर्फ विशु उसे टेंट के पीछे लेकर गया, जहां राहुल ठाकुर, आकाश, अंशुल, अनुभव उर्फ गुड्डु और सोनू ने लात-घूसों से पीटना शुरू कर दिया। उनसे बचकर वह सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में पहुंचा मगर छोटे भाई को लेने के लिए वह दोबारा सामुदायिक केंद्र पर जाने लगा। तभी शराब के ठेके पर 10 से 15 युवक लाठी-डंडे लेकर खड़े हुए थे। तभी सुमित वहां पहुंचा और उसे वहां से वापस भेज दिया। उसके बाद आरोपियों ने भाई सुमित को बेरहमी से लाठी-डंडों से पीट-पीट कर हत्या कर दी। इसकी सूचना दोस्त निखिल ने फ्लैट पर आकर दी।

दिल्ली में फिर बढ़े कोरोना केस, 24 घंटे में 1400 पार नए केस, एक मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक दिन की राहत के बाद एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले बढ़े हैं। बीत 24 घंटों के दौरान 1414 नए मामले सामने आए वहीं एक मरीज की मौत हो गई। इसके अलावा, मंगलवार को 1171 मरीजों को छुट्टी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान पॉजिटिविटी दर 5.97 प्रतिशत रही। राजधानी दिल्ली में अब कोरोना के एक्टिव केस की संख्या 5986 हो गई है। इससे पहले, दिल्ली में सोमवार को कोरोना के 1076 नए मामले सामने आए थे हालांकि किसी की मौत हुई थी। मंगलवार को जारी हुए स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 18,87,050 हो गई है। इनमें से 18,54,888 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 26176 मरीजों ने दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.39 फीसदी है। बुलेटिन के मुताबिक, सोमवार को कोरोना की जांच के लिए 23694 टेस्ट हुए। इनमें से 5.97 फीसदी कोरोना संक्रमित पाए गए। आरटीपीसीआर से 13,875 और रैपिड एंटीजन से 9819 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 3,77,95,425 टेस्ट हो चुके हैं। विभाग के अनुसार, दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या 1211 है।

ऑनलाइन शॉपिंग में डॉक्टर को लगी 2.60 लाख रुपये की चपत

विवेक राय गौरवशाली भारत

गाजियाबाद। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में ऑनलाइन शॉपिंग का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक डॉक्टर को 2.60 लाख की चपत लगा दी। ऑर्डर देने के बाद भी सामान की डिलीवरी न होने पर डॉक्टर को ठगी का पता चला जिसके बाद उन्होंने बैंक और पुलिस को सूचना दी। डॉक्टर की तहरीर पर सिहानी गेट पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। डॉ. प्रशांत कुमार पांडेय का कहना है कि वह नेहरू नगर स्थित यशोदा अस्पताल में डॉक्टर हैं। उन्होंने संदीप रावत नाम की फेसबुक आईडी पर ऑनलाइन शॉपिंग का विज्ञापन देखा था। सामान मंगाने के लिए उन्होंने विज्ञापन में दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो कॉलर ने विशेष छूट के साथ सामान पहुंचाने का वादा किया। डॉ. प्रशांत कुमार पांडेय का कहना है कि उन्होंने सामान का ऑर्डर बुक कर दिया। लेकिन काफी दिन बाद भी सामान न पहुंचने पर उन्होंने फोन करके पैसे वापस मांगे। डॉक्टर का आरोप है कि बॉलर ने उन्हें झांसे में लेकर कई बार में दो लाख 60 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। कई बार कॉल करने के बाद भी कोई रिस्पांस न मिलने पर उन्हें ठंडी का अहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने सिहानी गेट थाने में तहरीर दी। एसएचओ सौरभ विक्रम सिंह का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है। ठगों को ट्रेस करने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

केजरीवाल सरकार रोहिंग्या शरणार्थियों को मुफ्त राशन देने को तैयार

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि यदि केंद्र सरकार टारगेटेड पब्लिश डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (टीडीपीएस) पर लगी सीमा को हटाने पर सहमत होती है तो वह रोहिंग्या शरणार्थियों और शरण चाहने वालों को मुफ्त राशन देने पर विचार कर सकती है। कोविड लॉकडाउन की वजह से देशभर में शरणार्थियों को मुफ्त राशन देने की मांग को लेकर पिछले महीने दायर जनहित याचिका के जवाब में दिल्ली सरकार ने कहा, दिल्ली के पास राज्य का राशन कार्ड नहीं है, राशन वितरण के लिए केवल नेशनल फूड सिक्योरिटी (एनएफएस) कार्ड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिसके लिए केंद्र सरकार की ओर तय सीमा प्राप्त की जा चुकी है। हालांकि यदि केंद्र सरकार मंजूरी देती है तो यह विभाग इन आवासों/कैंपों को निकटतम उचित मूल्य की दुकान (एफपीएस) से जोड़कर राशन उपलब्ध करा सकता है। विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी की सरकार ने कहा कि कोर्ट उन शरणार्थियों को राशन कार्ड जारी करने का निर्देश दे सकता है जिन्हें केंद्र की ओर से टीडीपीएस के तहत लाभ के लिए पहचाना और प्रमाणित किया गया है।

दिल्ली में झगड़े के बाद सड़क पर महिला से मारपीट, फिर कार से घसीटा; 3 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ सड़क पर मारपीट और कार से घसीटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि महिला जब इस मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंची तो वहां भी पुलिस कर्मियों से उसका विवाद हो गया, जिसके बाद तीन पुलिसवालों को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला 29 अप्रैल की रात हौज खास विलेज से लौट रही थी, उसी दौरान ओखला के पास दो कार स्कॉर्पियो और बलेनो के ड्राइवर आपस में लड़ाई कर रहे थे और यह महिला एक प्राइवेट कैब में मौजूद थी। कुछ ही देर में पहले से झगड़ा कर रहे हैं बलेनो कार संख्या एचआर 51सीसी 0316 के ड्राइवर की महिला के कैब ड्राइवर से भी लड़ाई हो गई।

इस बीच, जब महिला ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो बलेनो कार सवार शख्स ने महिला को थप्पड़ मार दिया। महिला जब गुस्से में उसकी कार के पास पहुंची तो आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन महिला ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी थोड़ी दूर तक महिला को अपनी कार से घसीटता हुआ ले गया और फरार हो गया।

इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था। पुलिस ने इस मामले में बलेनो कार युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि इस घटना के बाद पीड़ित महिला कालकाजी थाने में अपनी शिकायत लिखवाने पहुंची तब वहां पुलिस कर्मियों से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। महिला का आरोप है वहां एक महिला कॉन्स्टेबल, एक सब इंस्पेक्टर और हेड कॉन्स्टेबल ने उसके साथ जमकर मारपीट की और सुबह 4:00 बजे उसे थाने से बाहर निकाल दिया।

अगले दिन महिला कालकाजी थाने गई तो उसको बताया गया कि उसका जो पहला झगड़ा हुआ था वह इलाका अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में आता है। इसके बाद महिला ने वहां जाकर बलेनो कार ड्राइवर के खिलाफ शिकायत करवाई और साथ ही कालकाजी थाने में जो उसके साथ बदसलूकी हुई उसकी शिकायत भी लिखवाई। इस महिला की शिकायत पर कालकाजी थाने के एक सब इंस्पेक्टर 1 हेड कॉन्स्टेबल और महिला कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

पति-पत्नी एक परिवार के दो स्तंभ, किसी एक से घर चलाने की उम्मीद नहीं की जा सकती

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि पति और पत्नी एक परिवार के दो स्तंभ हैं, जो एक साथ मिलकर किसी भी मुश्किल का सामना कर सकते हैं, लेकिन जब एक स्तंभ टूट जाता है तो यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि दूसरा स्तंभ अकेले ही घर को संभाल लेगा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी की अध्यक्षता वाली बेंच ने सोमवार को फैमिली कोर्ट द्वारा दिए गए तलाक के खिलाफ पति की अपील को खारिज करते हुए कहा कि अपीलकर्ता पति और एक पिता के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहा और घर को संभालने, उसकी नौकरी और बच्चों की देखभाल करने का पूरा बोझ प्रतिवादी (पत्नी) पर डाल दिया। जस्टिस सांघी और जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने कहा कि अपीलकर्ता ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली और इसके बजाय लगातार अपनी पत्नी को अपशब्द कहे, उसका और उसके परिवार के सदस्यों का अपमान किया, उसके चरित्र पर संदेह किया और यहां तक कि तलाक देने के लिए पैसे की भी मांग की। अदालत ने अपने आदेश में कहा, पति और पत्नी परिवार के दो स्तंभ हैं। साथ में वे किसी भी स्थिति से निपट सकते हैं, परिवार को सभी परिस्थितियों में संतुलित कर सकते हैं। यदि एक स्तंभ कमजोर हो जाता है या टूट जाता है, तो पूरा घर बिखर जाता है। दोनों स्तंभ एक साथ मिलकर किसी भी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में उसे फैमिली कोर्ट के आदेश में कोई कमी नहीं मिली और उसने इस बात पर गौर किया कि भले ही दोनों की शादी को लगभग 24 साल हो गए हों, लेकिन उनके बीच का बंधन पूरी तरह से टूट गया है। इसके साथ ही महिला ने काफी मानसिक क्रूरता झेली है। अदालत ने कहा कि कोई प्रत्यक्ष सबूत की आवश्यकता नहीं है, प्रतिवादी द्वारा झेली गई मानसिक पीड़ा और उसके परिवार के प्रति पति के रवैये से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि पति ने पत्नी के साथ मानसिक क्रूरता की है।

तकिए से मुंह दबाकर चाकू से किए थे वार, आधे घंटे तक खून बहने से हुई मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के वीवीआईपी इलाके सिविल लाइंस में 77 वर्षीय राम किशोर अग्रवाल की हत्या करने वाले बदमाशों ने तकिए से मुंह दबाने के बाद चाकू से ताबड़तोड़ वार किए थे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में इस बात का खुलासा हुआ है। बदमाशों के वार से घायल होने के बाद करीब आधे घंटे तक राम किशोर खून से लथपथ फर्श पर पड़े रहे। इस दौरान रक्तस्त्रत्तव होता रहा, जिससे उनकी जान चली गई। इस बात का खुलासा प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ है। जांच से जुड़े वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राम किशोर अग्रवाल ग्राउंड फ्लोर पर स्थित अपने कमरे में सोए हुए थे, तभी दोनों बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। घटनास्थल के मुआयने से सामने आया है कि तकिए से मुंह दबाकर बुजुर्ग पर ताबड़तोड़ चार वार किए गए। हालांकि, गले पर लगी चोट घातक नहीं थी, लेकिन पीठ पर किए गए दो वार से खून बहना शुरू हो गया। इसके बाद दोनों बदमाश खून से लथपथ हालत में बुजुर्ग को छोड़कर कमरे की तलाशी में जुट गई। करीब आधे घंटे बाद जब वे बाहर निकले तो सड़क पर सिक्योरिटी गार्ड से सामना हुआ। इसके बाद घटना की जानकारी परिजनों को हुई। जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर के अनुसार, चाकू से किया गया कोई भी वार महत्वूपर्ण अंगों तक नहीं पहुंचा था। अगर समय पर इलाज मिल गया होता तो बुजुर्ग की जान बच सकती थी, पर भारी मात्रा में खून बहने से बुजुर्ग की जान चली गई।

मेघा वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत पर्यावरण प्रेमियों को किया गया सम्मानित

डीयू का शताब्दी समारोह के बाद पहला कार्यक्रम केएमसी में आयोजित

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में मेगा ट्री प्लांटेशन के पहले चरण में पुरस्कार प्रदान किए गए। देश में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए कई संस्थायें मिलकर आगे आई हैं। हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड , एसोशिएशन ऑफ इंड्रस्ट्रीज़ एंड इंस्टिट्यूशन्स, एनसीसी एलुमनी क्लब, किरोड़ीमल कॉलेज और केशव ग्रीन सोसायटी ने मिलकर एक महा वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की है।

इसी अभियान के पहले चरण में स्कूलों की श्रेणी में नवजीवन मॉडल स्कूल विष्णु गार्डन को जहां विजेता की श्रेणी में रखा गया तो वही उपविजेता के लिए बाल भवन पब्लिक स्कूल मयूर विहार और द मान स्कूल होलंबी कला को उपविजेता की श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किए गए।

गैर सरकारी संस्थाओं में यूथ फॉर नेशन को जहां विजेता श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया तो वहीं उपविजेता के लिए वीरता युवा शक्ति संगठन को सम्मानित किया गया।

इनके अलावा रिका, हर्षिता, अद्वित श्रीवास्तव, सास्वत वत्स, प्रदीप सोनी, अजय तंवर और किरण कुमारी को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वृक्षारोपण अभियान के लिए पुरस्कार प्रदान करते हुए किरोड़ीमल कॉलेज की प्राचार्य डॉ विभा सिंह चौहान ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन हैं और इस जीवन के लिए हम सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए। एनसीसी एलुमनी क्लब के अध्यक्ष गिरीश निशाना ने बताया कि इस अभियान के तहत देशभर में 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

एसोशिएशन ऑफ इंड्रस्ट्रीज़ एंड इंस्टिट्यूशन्स के महासचिव एसके शर्मा ने बताया कि इस अभियान को और भी ज्यादा आकर्षित बनाने और ज्यादा से ज्यादा संख्या के हर उम्र के लोगों की भागीदारी बढाने के लिए 51, 31 और 21 हजार रूपये की धन राशि वाले नकद पुरस्कार भी रखे गए हैं। नगद पुरस्कारों के लिए एक भव्य समारोह भी आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर मोटिवेशनल स्पीकर राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को पेड़ों के महत्व से अवगत कराया। मेजर डॉ एसके कौशिक ने हर विद्यार्थी को अपने जीवन में एक पौधा जरूर लगाने की सीख दी।

पुरस्कार समारोह के मौके पर सेकंड ऑफिसर रुचि शंकर यूथ फॉर नेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निखिल रंजन, युवा शक्ति संगठन के प्रबंध निदेशक सीताराम नवजीवन मॉडल स्कूल की प्रधानाचार्य अंजना दीक्षित, सिद्धार्थ मेकर, मोनिका , प्राची, अक्षय सिरोही, अभिषेक और योगेश समेत काफी संख्या में विद्यार्थी और पर्यावरण प्रेमी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जींद में पुलिस कर्मियों पर पथराव और फायरिंग, चार जवान घायल, 30 लोगों पर एफआईआर

जींद। हरियाणा में जींद जिले के पीपलथा गांव में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में पहुंचे पुलिस कर्मियों पर सोमवार देर रात पथराव और फायरिंग भी की गई। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग। इस पथराव में चार पुलिस कर्मियों को मामूली चोटें आईं और गढ़ी थाना प्रभारी की गाड़ी के शीशे टूट गए।

हमले की सूचना मिलते ही सहायक पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घिरे हुए पुलिस कर्मियों को बाहर निकाला।

गढ़ी थाना पुलिस ने घायल एएसआई की शिकायत पर 13 लोगों को नामजद कर 30 अन्य के खिलाफ जानलेवा हमला करने, छीना झपटी करने, शस्त्र अधिनियम, तोड़फोड़ करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गढ़ी थाना प्रभारी डॉ. सुनील पुलिस टीम के साथ उचाना में पिछले दिनों रोहतक सीआईए स्टाफ पुलिसकर्मी पर हुए जानलेवा हमले के संदिग्धों की तलाश में रात को गांव पीपलथा की एक बस्ती में पहुंची थी। उसी दौरान बस्ती के लोग पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई पर उतर आए और साथ ही उन लोगों ने पुलिस पार्टी पर पथराव भी कर दिया, जिसमें एएसआई सतपाल, सिपाही रमेश कुमार, सिपाही विकास, होमगार्ड जवान प्रदीप तथा संदीप को हल्की चोटें आईं।

बस्ती के लोगों ने थाना प्रभारी की गाड़ी के शीशे भी तोड़ डाले। पुलिस पार्टी पर पथराव करने तथा पुलिस कर्मियों के घिरे होने की सूचना पाकर एएसपी कुलदीप सिंह, शहर तथा सदर थाना नरवाना, उचाना थाना तथा सीआईए टीम के साथ गांव पीपलथा पहुंचे और फंसे पुलिस कर्मियों को निकालने की कोशिश की।

गांव पीपलथा की जिस बस्ती में पुलिस पहुंची थी, वह बस्ती नशे तथा अपराध के लिए बदनाम है। देर रात को बस्ती में पुलिस को देख कर बस्ती के लोग भड़क गए। लोग हाथापाई करने के साथ-साथ पथराव पर उतर आए। जब अच्छा-खासा पुलिसबल बस्ती में पहुंचा तो बस्ती की तरफ से दर्जनभर से ज्यादा फायर किए गए। वहीं, पुलिस ने भी चार पांच गोलियां हवा में दागीं और वहां फंसे हुए पुलिस कर्मियों को बाहर निकाला।

गढ़ी थाना प्रभारी डॉ. सुनील ने बताया कि फिलहाल दर्जनभर लोगों को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है।

बच्ची से गैंगरेप और उसकी हत्या का एक आरोपी गिरफ्तार, ढाई महीने से था फरार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके में ढाई महीने पहले एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और उसकी हत्या करने के आरोप में 32 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सुनील के रूप में की गई है और वह उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में नरेला के एक गांव की रहने वाली लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर 15 फरवरी को अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि 19 फरवरी को उसी गांव में नेल पॉलिश की बोतलों के ढक्कन बनाने का व्यवसाय करने वाले राहुल राय नामक शख्स ने पुलिस को बताया कि वह झांसी गया था और वापस आकर जब उसने अपनी दुकान खोली तो उसके अंदर से दुर्गंध आ रही थी। राहुल ने पुलिस को बताया कि उसके साथ काम करने वाला सुनील नाम का एक मजदूर भी लापता है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उस दुकान में छानबीन की, जहां लड़की का क्षत-विक्षत शव गाय के गोबर से बने उपलों से भरी बोरियों के ढेर के नीचे मिला। जांच के दौरान, राम सच्चे ऊर्फ सचिन नामक व्यक्ति को 20 फरवरी को गिरफ्तार किया गया, वह मुंबई भागने की फिराक में था। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में उसने बताया कि सुनील के साथ उसने 12 फरवरी को मेट्रो विहार में शराब पी और लड़की को बुलाने की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने लड़की को फोन कर बुलाया और फिर उसके साथ कथित रूप से बलात्कार किया तथा गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। डीसीपी (आउटर नॉर्थ) बृजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि बाद में पुलिस को सूचना मिली कि सुनील किसी से मिलने आएगा और उसके अनुसार जाल बिछाया गया। मंगलवार को आरोपी को देख पुलिस ने उसे रुकने को कहा, लेकिन वह भागने लगा। डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन आरोपी ने पिस्तौल निकालकर पुलिस पर गोली चला दी।

तिहाड़ जेल का असिस्टेंट सुपरिटेंडेट गिरफ्तार

जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर की मदद का है आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तिहाड़ जेल के एक 57 वर्षीय असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट प्रकाश चंद को गिरफ्तार किया है। उन पर जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर को पैसों के बदले सुविधाएं प्रदान करने का आरोप है।

तिहाड़ जेल परिसर के स्टाफ क्वार्टर में रहने वाले आरोपी प्रकाश चंद बीते माह 29 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ पिछले साल अगस्त 2021 में आईपीसी की धाराओं 170, 384, 386, 388, 406, 409, 419, 420, 468, 471, 506, 186, 353, 120बी, 66-डी आईटी एक्ट और 3,4 मकोका के तहत थाना स्पेशल सेल दिल्ली में एफआईआर दर्ज की गई थी। वह 2019 से मई 2021 तक रोहिणी जेल में असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट के रूप में तैनात रहे थे। आरोप है कि रोहिणी जेल में अपनी पोस्टिंग और महाठग सुकेश चंद्रशेखर के वार्ड में ड्यूटी के दौरान उन्होंने आरोपी को अपराध करने में मदद की थी। वह वर्तमान में तिहाड़ जेल की जेल नंबर 2 में असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट के पद पर तैनात हैं। बता दें कि, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) भी 200 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी मामले में आरोपी शातिर महाठग सुकेश चंद्रशेखर के मामले की जांच कर रही है। ईओडब्ल्यू ने हाल ही में 82 जेल अधिकारियों से पूछताछ की अनुमति मांगी थी, जिन्होंने कथित तौर पर सुकेश को जेल के अंदर विशेष सुविधाएं दिलाई थी। इस तथ्य के सामने आने के बाद जेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया था और उन्होंने धरना भी दिया था। सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ धोखाधड़ी और उगाही के आरोप में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एफआईआर दर्ज की थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में सुकेश पर धोखाधड़ी और रेलीगेयर इंटरप्राइज के पूर्व प्रमोटर शिवेन्दर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से उगाही का आरोप लगाया गया था। उन्हें रेलीगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड के धन के गबन के आरोप में दर्ज एक मामले में अक्टूबर 2019 में गिरफ्तार किया गया था।

चंद्रशेखर ओर उसके साथियों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए अदिति सिंह से उनके पति को जमानत दिलाने में मदद का वादा कर उससे कथित तौर पर धन लिया।

अभिभावकों की दिल्ली सरकार से मांग

स्कूलों का समय बदलें या गर्मी की छुट्टियां पहले शुरू करें

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के प्रकोप के कारण बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित अभिभावकों ने दिल्ली सरकार से अनुरोध किया है कि या तो स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए या गर्मियों की छुट्टियां निर्धारित समय से पहले शुरू की जाएं। गर्मी और कोविड के मामलों को देखते हुए अनेक स्कूलों में आउटडोर गतिविधियों को कम कर दिया गया है। बच्चों के माता-पिता का दावा है कि इतनी भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों का समय बच्चों के लिए सही नहीं है।

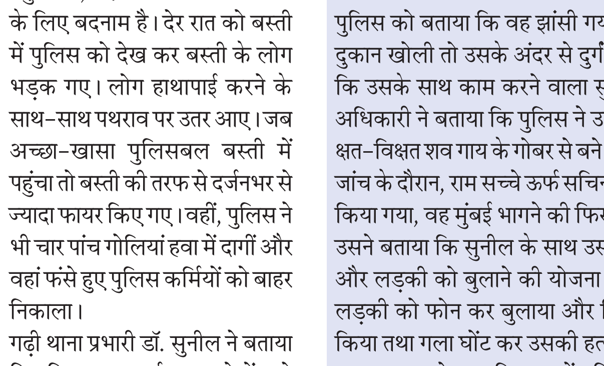

हरियाणा सरकार ने सोमवार को घोषणा की थी कि पूरे प्रदेश में गर्मी के प्रकोप को देखते हुए सभी निजी और सरकारी स्कूलों में पहली से 12वीं कक्षा के लिए समय सुबह 7 से 12 बजे तक होगा। हालांकि, अभी दिल्ली में ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई है।

दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार ने धूप में, विशेष रूप से दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है, लेकिन दिल्ली में अधिकतर स्कूलों का समय सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक है। उन्होंने कहा कि बच्चे तीन बजे तक घर पहुंचते हैं।

इसका मतलब यह हुआ कि गर्मी के सबसे भीषण दौर से वे गुजरते हैं जो वाकई खतरनाक है। हम दिल्ली सरकार से अनुरोध करते हैं कि या तो दूसरे राज्यों की तरह स्कूलों का समय बदलें या गर्मियों की छुट्टियां पहले ही शुरू कर दें।

देश भर में भीषण गर्मी के बीच, केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह किया था कि वे पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाओं और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता के लिए अपनी स्वास्थ्य सुविधा की समीक्षा करें, जबकि पर्याप्त पेयजल सुनिश्चित करें और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शीतलन उपकरणों के कामकाज को जारी रखें।

दिल्ली के तापमान में 46 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी के साथ देश के बड़े इलाकों में भीषण गर्मी ने पारा चढ़ा दिया है। दिल्ली ने 72 वर्षों में अपना दूसरा सबसे गर्म अप्रैल महीना भी दर्ज किया, जिसमें मासिक औसत अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस था।

तिहाड़ जेल में बंद पहलवान सुशील कुमार कैदियों को दे रहा कुश्ती का प्रशिक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में सागर धनखड़ की हत्या के मामले में बंद ओलंपिक खिलाड़ी पहलवान सुशील कुमार इन दिनों कैदियों को कुश्ती के गुर सिखा रहा है। सुबह-शाम कैदियों को प्रशिक्षण देने के बाद वह खुद भी दिन में करीब दो घंटे शरीरिक व्यायाम करता है। जेल अधिकारियों का कहना है कि कोरोना की वजह से दो साल बाद वर्ष 2022 के नवंबर-दिसंबर में खेल प्रतियोगिताएं होने की संभावना प्रबल है जिसे लेकर अन्य कुश्ती के अलावा अन्य खेलों में भी कैदी प्रतिदिन प्रशिक्षण ले रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक ओलम्पिक खिलाड़ी सुशील पहलवान इन दिनों तिहाड़ जेल नंबर दो में बंद है। वह करीब 20 कैदियों को कुश्ती का प्रशिक्षण दे रहा है। विभिन्न बैरक के कैदी इसमें शामिल हैं। कैदियों को प्रशिक्षण देने का समय सुबह 7:30 बजे से लेकर 9 बजे तक रहता है जबकि दूसरे चरण में शाम 4:30 बजे से लेकर 6 बजे तक कुश्ती सीखने वाले कैदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुशील पहलवान सुबह पांच बजे उठता है और कैदियों को प्रशिक्षण देने से पहले 6:30 बजे खुद व्यायाम शुरू करता है और ठीक एक घंटा कसरत करने के बाद कैदियों को प्रशिक्षण देने में व्यस्त हो जाता है। इस संबंध में जेल प्रशासन का कहना है कि शाम को भी सुशील कसरत करता है वह तीन बज कर 30 मिनट पर शुरू कर एक घंटे तक कसरत करने के बाद कैदियों को कुश्ती के गुर सिखाता है।

बताया गया कि सुशील जिन कैदियों को कुश्ती का प्रशिक्षण दे रहा है उनके साथ-साथ अपनी भी डाइट का पूरा ख्याल रखता है। सभी कैदियों के लिए कैंटीन से दूध की व्यवस्था की जा रही है।

संपादकीय

आने वाले दशकों में गर्मी इंसान की बर्दाश्त करने की हद से आगे निकल सकती है

शहरों में, जहां वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है, अत्यधिक गर्मी के दौरान सड़कों को और अधिक आरामदायक बनाने के अवसर हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय में से एक, शहरी हरियाली को बढ़ाना है, जिससे आवास की तलाश में भटकते वन्य जीवों को भी काफी फायदा होगा। असहनीय गर्मी के कारण कई भारतीय और पाकिस्तानियों के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बाहर काम करने के लिए उपलब्ध मूल्यवान घंटे कम हो जाते हैं। लैंसेट द्वारा प्रकाशित शोध के अनुसार, अत्यधिक तापमान और आर्द्रता के कारण 2018 में 150 अरब से अधिक कार्य घंटों का नुकसान हुआ। इस प्रवृत्ति के वैश्विक परिणाम होंगे। यूसीएल में अर्थ सिस्टम साइंस के प्रोफेसर मार्क मास्लिन कहते हैं, ''दुनिया का आधा भोजन छोटे किसानों के खेतों में उगता है, जहां किसान कड़ी मेहनत करके फसल तैयार करते हैं। जैसे-जैसे दुनिया गर्म होगी, ऐसे दिन ज्यादा होते जाएंगे, जब बाहर काम करना शारीरिक रूप से असंभव होगा, जो उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा को कम करेगा।'' शहरों में, जहां वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है, अत्यधिक गर्मी के दौरान सड़कों को और अधिक आरामदायक बनाने के अवसर हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय में से एक, शहरी हरियाली को बढ़ाना है, जिससे आवास की तलाश में भटकते वन्य जीवों को भी काफी फायदा होगा। या कंक्रीट के फैलाव के बीच पेड़ों और अन्य वनस्पतियों के लिए अधिक जगह बनाई जाए। लेकिन कार्डिफ यूनिवर्सिटी के मार्क ओ. कथबर्ट के नेतृत्व में फरवरी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि विस्तारित पार्कलैंड के बीच हरियाली लगाने के साथ छतों और दीवारों को हरा भरा करने से या तो बाढ़ को कम किया जा सकता है या गर्मी को कम किया जा सकता है, लेकिन यह दोनों एक शहर में नहीं हो सकता। कथबर्ट और उनके सह-लेखकों, ऑस्ट्रेलिया में यूएनएसडब्ल्यू सिडनी के डेनिस ओ%कारोल और जर्मनी में कार्लज़ूए इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के गेब्रियल सी राउ के अनुसार, शहरों के गर्म मौसम में गर्म होने और भारी वर्षा के दौरान बाढ़ का कारण एक ही है। कंक्रीट और स्टील की प्रचुरता गर्मी को अवशोषित और बरकरार रखती है, जबकि वही सीलबंद सतहें ''एक स्पंज की तरह काम नहीं कर सकती हैं कि बारिश को सोख लें और स्टोर कर लें, जैसे मिट्टी करती है, जिसकी जगह इन्होंने ले ली है''। शोधकर्ताओं का तर्क है कि उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में हरियाली वाले शहर- जैसे कि उत्तरी यूरोप और भूमध्य रेखा के आसपास- मजबूत हीटवेव को कमजोर कर सकते हैं क्योंकि पौधे प्रकाश संश्लेषण के दौरान जल वाष्प छोड़ते हैं, जिसका शीतलन प्रभाव होता है। शोध दल को उम्मीद है कि शहरी हरियाली के लाभ सूखे क्षेत्रों में कम होंगे जहां धूप से भरपूर ऊर्जा होती है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के शहरों की तरह वर्षा अधिक सीमित होती है। लेकिन इन स्थानों में हरे भरे स्थानों का विस्तार करना अभी भी सार्थक है, क्योंकि यह वह जगह है जहाँ मिट्टी द्वारा जल प्रतिधारण की सबसे बड़ी संभावना है, जो बाढ़ को रोकने में मदद कर सकती है। नवंबर 2021 में संयुक्त राष्ट्र के सबसे हालिया जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन सीओपी26 के दौरान प्रकाशित एक रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि अफ्रीका दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। केन्या में आगा खान विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर अब्दु मोहिद्दीन का कहना है कि 2030 तक 11 करोड़ 80 लाख अत्यधिक गरीब लोग सूखे और भीषण गर्मी के विनाशकारी प्रभावों की गिरफ्त में होंगे। मोहिद्दीन का कहना है कि गर्म वातावरण के अनुकूल होने के लिए महाद्वीप को तत्काल वित्तीय और तकनीकी सहायता की आवश्यकता है, साथ ही यह आकलन करने के लिए अनुसंधान निधि की आवश्यकता है कि कौन और कहाँ सबसे कमजोर है।

कारें ही नहीं ट्रैक्टर और ट्रक भी इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में दौड़ते नजर आ सकते हैं

पीटर न्यूमैन

इलेक्ट्रिक वाहन लगभग 120 से अधिक वर्षों से हैं। 1900 में अमेरिकी सड़कों पर सभी कारों का एक तिहाई हिस्सा इलेक्ट्रिक था, क्योंकि वे साफ और शांत थे। लेकिन बैटरी की उच्च लागत और वजन के कारण उनका चलन कम होने लगा। जब आप एक इलेक्ट्रिक वाहन के बारे में सोचते हैं, तो मुमकिन है कि आपके जहन में एक कार की तस्वीर उभरे। लेकिन परिवहन के क्षेत्र में एक शांत क्रांति चल रही है। यह पता चला है कि लगभग सभी परिवहन विकल्पों को बिजली से चलाया जा सकता है। इलेक्ट्रिक बाइक से लेकर मोटरबाइक तक बसों से लेकर मालगाड़ियों तक और यहां तक कि ट्रैक्टर और भारी ट्रकों को भी। जल्द ही ऐसा समय आएगा कि एक आंतरिक दहन इंजन में पेट्रोल और डीजल की आवश्यकता नहीं होगी। यह अपने आप में बहुत मायने रखता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन को रोकने के हमारे प्रयासों में विद्युत परिवहन महत्वपूर्ण होगा। यदि सड़क पर सभी कारें नवीकरणीय बिजली से चलेंगी, तो हम अपने उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा कम कर देंगे। हम तेल की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी लापरवाह होंगे और स्वच्छ हवा और शांत शहरों का आनंद लेंगे। यह आशाजनक खबर है कि इलेक्ट्रिक वाहन आखिरकार एक चुनावी मुद्दे के रूप में आकार ले रहे हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी ने अपने अभियान के शुभारंभ पर एक राष्ट्रीय ईवी चार्जिंग नेटवर्क का वादा किया है, और ग्रीन्स ने ईवी खरीद के लिए 15,000 डॉलर तक की छूट का वादा किया है, जबकि लिबरल पार्टी ने पिछले साल अपनी नीति को उलट दिया था और एक छोटी चार्जिंग नेटवर्क नीति शुरू की थी। लेकिन यह एक जरूरत की केवल शुरुआत भर है। फिलहाल सारा फोकस इलेक्ट्रिक कारों पर है। हमारे सभी परिवहन विकल्पों के विद्युतीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए हमें नई नीति की आवश्यकता होगी। यह तभी हो सकेगा जब हमारे राजनीतिक दलों के रडार पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता मिले।

बिजली तब क्यों नहीं और अब क्यों?

इलेक्ट्रिक वाहन लगभग 120 से अधिक वर्षों से हैं। 1900 में अमेरिकी सड़कों पर सभी कारों का एक तिहाई हिस्सा इलेक्ट्रिक था, क्योंकि वे साफ और शांत थे। लेकिन बैटरी की उच्च लागत और वजन के कारण उनका चलन कम होने लगा, जिससे आंतरिक दहन इंजन सड़क पर जगह बनाने लगे।

अब क्या बदला?

दो चीजें-सौर ऊर्जा मानव इतिहास में सबसे सस्ती ऊर्जा के रूप में सामने आई और हल्की लिथियम-आयन बैटरी बहुत सस्ती हो गई। इन उल्लेखनीय आविष्कारों ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को इस दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी में लगे सौर ऊर्जा से चलने वाले सस्ते फनल जीवाश्म ईंधन इंजनों की तुलना में चलने की लागत बहुत कम कर देते हैं। बहुत सरल इंजन का मतलब रखरखाव की लागत भी काफी कम है। हम इलेक्ट्रिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट से लाए गए प्रमुख नवाचारों को भी देख रहे हैं। पिछले दो दशकों में, ट्रेनों और ट्रामों में स्मार्ट तकनीक में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जैसे कि पुनर्योजी ब्रेकिंग और सक्रिय निलंबन को सक्षम करने वाले सेंसर। इन सफलताओं को इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं द्वारा उत्साहपूर्वक अपनाया गया है। सभी इलेक्ट्रिक कारों में अब पुनर्योजी ब्रेकिंग होती है, जो ऊर्जा दक्षता में अत्यधिक वृद्धि करती है, साथ ही स्टीयरिंग में सहायता के लिए स्मार्ट सेंसर और सक्रिय निलंबन, कारों को सुरक्षित और सवारी को आसान बनाती है। हम ट्रैकलेस ट्राम के रूप में स्वागत योग्य परिवर्तन भी देख रहे हैं, जो उन्नत बसें हैं जो रेल जैसी गतिशीलता का दावा करती हैं।

देश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ

अभिनय आकाश

देश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ कल यानी चार मई को लॉन्च होगा। निवेशक नौ मई तक इसे सब्सक्राइब कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, एलआईसी का आईपीओ 17 मई 2022 को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा। अगर हम स्कूटर की बात करें तो सबसे पहले हमारे दिमाग में बजाज चेतक का नाम याद आता है जिसने 70, 80 और 90 के तीन दशकों में लोगों के दिलों पर भी राज किया। बजाज स्कूटर का वो बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर वाला ऐड आज भी खूब पंसद किया जाता है। वहीं अगर वाशिंग पाउडर की बात करें तो हमारे दिमाग में सबसे पहले सर्फ एक्सल का नाम आता है। लेकिन वहीं अगर हम इंश्योरेंस की बात करते हैं तो एलआईसी का नाम सबसे पहले दिमाग में आता है। एलआईसी का लोगो देखें तो उसमें दो हाथ बने होते हैं और उसके नीचे लिखा होता है योगक्षम वहाम्यहम ये गीता के नौवें अध्याय के 22 वें श्लोक के दो शब्द हैं। ये दो शब्द ये बताते हैं कि मैं आपकी सुरक्षा के लिए हूं। अब एलआईसी अपनी आईपीओ लॉन्च कर रही है। अक्सर हम शेयर मार्केट में पैसे लगाने से हम घबराते हैं और बहुत से लोग हैं जो डराते भी हैं। एलआईसी आईपीओ के मौके जो सामने आने वाले हैं वो हमारी आंखों के सामने से निकल न जाएं। एक बार के लिए अगर आप पैसा लगाने की नहीं भी सोच रहे हैं तो भी आपको ये वीडियो देखना जरूरी है कि आईपीओ के नाम पर जो तमाम तरह की जानकारी देते हैं आप ये वीडियो देखने के बाद उनसे ज्यादा जानकार बनकर लोगों को समझाने लगेंगे। ऐसे में आज बात देश के सबसे चर्चित आईपीओ की करेंगे, जिसे लेकर करोड़ों लोगों की उम्मीदों और आशंकाओं के साथ ही देश के हर चौथे आदमी को अपना बीमा धारक बना चुकी कंपनी के शेयरों से होने वाली कमाई की। इसके साथ ही आपको ये भी सरल भाषा में बताएंगे की आईपीओ होती क्या है?

सरकार 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही

देश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ कल यानी चार मई को लॉन्च होगा। निवेशक नौ मई तक इसे सब्सक्राइब कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, एलआईसी का आईपीओ 17 मई 2022 को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा। फिलहाल, ग्रे-मार्केट की बात करें तो एलआईसी के शेयर 90 रुपये प्रीमियत तक पहुंच चुके हैं। एलआईसी आईपीओ के जरिए अपने पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी में सरकार 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसके के तहत सरकार कंपनी में अपने 22,13,74,920 शेयरों की बिक्री कर रही है और शेयर का प्राइस बैंड 902 से 949 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

दो अलग-अलग कैटेगरी के तहत आवेदन

खाता धारक दो अलग-अलग कैटेगरी के तहत आईपीओ के लिए आवेदन कर सकते हैं। रिटेल कैटेगरी और पॉलिसी होल्डर कैटेगरी। दोनों कैटेगरी में 14-14 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। खास बात ये है कि अगर कोई व्यक्ति पॉलिसी होल्डर के साथ ही एलआईसी का कर्मचारी है तो वो कर्मचारी श्रेणी के तहत और 14 लॉट के लिए अप्लाई कर सकता है। यानी एम्प्लॉई कुल 42 लॉट के लिए बिड लगा सकते हैं। एम्पलॉई कैटेगरी में भी प्रति शेयर 45 रुपए की छूट मिल रही है।

आईपीओ क्या होता है

जब किसी को अपना बिजनेस बढ़ाना होता है तो उसे पैसों की जरूरत होती है। हमारे देश में पैसे जुटाने के तीन चार तरीके हैं। जैसे उधार मांग कर, प्रोपर्टी बेच कर या लोन लेकर। लेकिन इन छिटपुट पैसों से कंपनी बड़ा नहीं हो पाता। इसलिए कंपनिां अपना बिजनेस बढ़ाने की चाह में पब्लिक के पास जाती हैं। इसके लिए उन्हें अपनी संपत्ति का पूरा ब्यौरा बनाना पड़ता है।

इसे ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्ट कहते हैं। इसे लेकर वो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेज के पास पहुंच जाती हैं। बीएसई-एनएसई देखती है कि इनकी कंपनी में आम लोगों के पैसे डलवाएं जा सकते हैं या नहीं। यहां से ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद आईपीओ की तैयारी शुरू हो जाती है। आईपीओ के जरिये कोई भी कंपनी अपनी हिस्सेदारी यानी शेयर्स आम आदमी को बेचती है।

प्राइमरी-सेकेंड्री मार्केट

पहली बार कोई कंपनी शेयर बेच रही होती है तो इसकी मालिक भी वो खुद होती है और आप इसे कंपनी से खरीद रहे होते हैं। इसे प्राइमरी मार्केट कहा जाता है। लेकिन एक बार कंपनी से आईपीओ खरीद लेने के बाद आप कंपनी के हिस्सेदार हो गए। जब भी कोई नई कंपनी मार्केट में कूदती है तो दो-तीन दिन में उसे बहुत बड़ा फायदा या बहुत बड़ा नुकसान देखने लगते हैं। दोनों ही हालात में फिर हम सोचते हैं कि अपने शेयर्स बेच देते हैं। शेयर्स हम ब्रोकर को बेचते हैं और वो इसे अपने पास रख लेते हैं। बाद में दूसरे को बेच देते हैं। यही खरीदने और बेचने की प्रक्रिया सालों साल चलती रहती है जिसे सेकेंड्री मार्केट कहते हैं।

27 करोड़ से ज्यादा एलआईसी बीमा धारक, डीमैट अकाउंट की संख्या 8 करोड़

एलआईसी का बीमा बाजार पर इस कदर दबदबा है कि करीब 27 से 28 करोड़ लोगों ने इसकी पॉलिसी ले रखी है जबकि देश में कुल डीमैट अकाउंट की संख्या 8 करोड़ है।

यानी एलआईसी पॉलिसी धारकों की संख्या देश के शेयर बाजारों या म्यूच्युअल फंडों में निवेश करने वालों से तीन गुना ज्यादा है। जिसे देखकर लगता है कि पॉलिसी होल्डर्स के बीच भी टफ कम्पटीशन होने वाला है। लेकिन एक आंकड़ों पर गौर करना भी जरूरी है जिसे वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ इंवेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट के मुताबिक एलआईसी के आईपीओ में निवेश के लिए पॉलिसी से पैन को लिंक कराने की आखिरी तारीख 28 फरवरी थी।

6.8 करोड़ लोगों ने अपना पैन लिंक करा लिया था। ये तादाद डीमैट खाताधारकों से थोड़ी ही कम है। 10 फीसदी कोटा जो भाग्यशाली हुए उन्हें तो मिलेंगे ही। फायदा ये है कि 60 रूपये कम कीमत पर मिलेंगे। बाकी लोगों के लिए भी 35 फीसदी रिटेल कोटे में संभावनाएं रहेंगी।

क्या इसमें पैसा लगाना चाहिए?

ज्यादातर मार्केट के जानकार इसमें पैसा लगाने की सलाह दे रहे हैं। आईपीओ में शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों में पैसा बन सकता है। हालांकि जानकार लॉन्ग टर्म तक बने रहने की सलाह दे रहे हैं।

जिसके पीछे की वजह इंश्योरेंस कंपनियों रा बिजनेस मॉडल लॉन्ग टर्म का होना है। एलआईसी के आईपीओ का प्राइस बैंड 904 से 949 रुपये का है। रिटेल निवेशकों के लिए एलआईसी ने 45 रुपये का डिस्काउंट रखा हुआ है। ऐसे में इस माध्यम से अप्लाई करने पर 949 के शेयर के लिए 904 रुपये के हिसाब से पेमेंट करना होगा। वहीं अगर आपके पास एलआईसी की पॉलिसी है तो आपको 60 रुपये का डिस्काउंट मिलेगा। यानी आपको 949 के शेयर के लिए 889 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से पेमेंट करना होगा।

आईपीओ में शेयर मिल गए तो क्या फायदा होगा?

एलआईसी के आईपीओ के ऑफर प्राइस बैंड 949 रुपये को देखें तो यह एंबेडेड वैल्यू प्रति शेयर के हिसाब से 1.1 गुना पर मिल रहा है। दूसरी निजी बीमा कंपनियों के औसल वैल्यूशन से तुलना करें तो एलआईसी के शेयर बहुत सस्ते करीब 60 फीसदी से ज्यादा कम में मिल रहे हैं।

अगर ग्रे मार्केट यानी अनआर्थराइज ट्रेडिंग में दिख रहे 45 फीसदी प्रीमियम पर भरोसा करें तो एलआईसी के निवेशकों को इतना ही मुनाफा मिल सकता है। लेकिन जरूरी नहीं कि ग्रे मार्केट के संकेत सही साबित हो और जो प्रीमियम दिखाई दे रहा है वो सही साबित हो।

एलआईसी आईपीओ में कैसे कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

एलआईसी के आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए आपके पास डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। प्रतिभागियों को अपने ऑनलाइन नेट-बैंकिंग खातों में लॉग-इन करना होगा। इसके बाद, निवेशकों को निवेश अनुभाग में जाना होगा और आईपीओ/ई-आईपीओ विकल्प पर क्लिक करना होगा। फिर निवेशकों को डिपॉजिटरी विवरण और बैंक खाते का विवरण भरना होगा।

इन विवरणों को दर्ज करने के बाद, सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। सत्यापन प्रक्रिया के बाद, निवेशकों को आईपीओ में निवेश पर जाना होगा।

निवेशकों को उस आईपीओ का चयन करना होगा जिसके लिए वे आवेदन करना चाहते हैं। निवेशकों को तब शेयरों की संख्या और बोली मूल्य दर्ज करने की आवश्यकता होती है।

निवेशकों को कोई भी बोली लगाने से पहले नियम और शर्तें दस्तावेज़ को ध्यान से पढ़ना चाहिए। निवेशक तब अभी आवेदन करें पर क्लिक करके पुष्टि कर सकते हैं और अपना ऑर्डर दे सकते हैं।

'ब्राह्मण जाती नही एक सोच है'

रवि शंकर राय

लेखक, प्रख्यात उद्यमी होने के साथ ही सामाजिक कार्यों और लेखन के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। स्वतंत्र टिप्पणीकार के रूप में राजनीति और समाज से जुड़े विभिन्न ज्वलंत सम-सामयिक विषयों पर लेखनरत रहते हैं।

शुभ अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का जन्म अत्याचार, अन्याय, पाप, अधर्म जैसी राक्षसी प्रवृतियों के सर्वनाश करने के लिए हुआ था।
कोई जनम से ब्राह्मण नहीं होता बल्कि कर्म से इंसान ब्राह्मण होता। विश्वामित्र,जमदग्नि ऋषि, बालमिकी, बशिस्ठ मुनि,देवरहा बाबा, राम कृष्ण परम हंस , गुरु नानक देव, कबीर, तुलसीदास, संत रविदास,संत तुकाराम, चाणक्य और भी बहुत लोग हैं जो ब्राह्मण हैं.
ब्राह्मण जाती नही एक सोच है।
समाज को शिक्षित करने की सोच।
समाज को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश में ले जाने की सोच।
राष्ट्र प्रेम,देश प्रेम में अपना जीवन समर्पित करने की सोच। हर किसी को चाहे वो राजा हो रंक हो मुसीबत में निश्चार्थ भाव से मदद करने की सोच।
चाणक्य के रूप में ज्ञान का भंडार होते हुए भी अपने बारे में ना सोचते हुए समाज,देश,राष्ट्र के विकास में अपना सर्वस्य न्योछावर करते हुए दरिद्रता पूर्ण जीवन जीने की सोच।
सबसे शक्तिशाली होते हुए भी कभी राजा ना बनने और सन्यासी जीवन जीने की सोच।
कभी पेशवा बाजीराव बनकर अपने शौर्य और बीरता से पुरे भूमंडल पर राजवंश/राजा का राज्य स्थापित करने में सर्वश्य जीवन लगाने की सोच।
पेशवा बाजीराव से बढ़ा योद्धा पिछले 400 सालों में शायद इस धरती पर कोई पैदा नही हुआ।40 की उम्र से पहले ही चले गए दुनिया से लेकिन आज भी ज़िंदा हैं और हमेशा रहेंगे आदर्श बन कर।
कभी राजा/राजवंश के अत्याचारी, अन्यायी, उद्दंड हो जाने पर भागवान परशुराम बनकर पुरी धरती को राजा/राज्यवंश विहीन करने की सोच। भगवान परशुराम से बढ़ा योद्धा ब्रामहड़ कुल में कोई पैदा नही हुआ।
महान लोग अपनी उम्र से नही कर्म से जाने जाते हैं। इतिहास गवाह है कोई कितना दिन जिया ये याद नही रखते लोग।
कैसे जिया और क्या किया सिर्फ़ ये याद रखते हैं लोग।
एक बार पुन: भगवान परशुराम को परशुराम जयंती पर कोटि कोटि नमन।
अपने कर्मों से ब्राह्मण होने का का सही मतलब समझाने के लिए इन सभी ब्राह्मण देवताओं को कोटि कोटि नमन।
ब्राह्मण बनना आसान नहीं है।
ब्राह्मण जाती नही एक सोच है।
ऊपर लिखे विचार किसी देश,व्यक्ति और समाज को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं लिखे गएँ हैं। अगर मेरे विचार से किसी को दु:ख पहुँचा हो तो मै क्षमा प्रार्थी हुँ।

रमज़ान के समाप्ति के उपरांत अपनी खुशियों को अपने दोस्तों के साथ साझा करने के उत्सव को ईद उल फितर कहते हैं। वास्तव में यह ऐसा अवसर होता है जब हम अपनी कामयाबी का उत्सव मना रहे होते हैं। कामयाबी हां एक इंसान बनने की कामयाबी। महीने भर भूख व प्यास यानी जिंदगी के कठिन से कठिन दौर मै भी , अपने दुख के हालात में भी हमें अपने दुख को भूल कर दूसरे के दुखों को दूर करने में अपनी सक्रिय सहभागिता को किस कदर बरकरार रख सकते हैं उसकी ट्रेनिंग का महीना रमज़ान का महीना होता है। हमारी संपत्ति सिर्फ हमारी नहीं है बल्कि उसमें समाज के वंचित तबकों की हिस्सेदारी है और उनके हिस्सेदारी को कैसे उन तक पहुंचाया जाए इसकी ट्रेनिंग का नाम रमज़ान है। समाज के बहू बेटियों की इज्ज़त और उनके मान सम्मान को सतत् कैसे बरकरार रखा जाए इसकी ट्रेनिंग का नाम रमज़ान है। अपने अहंकार को किस तरह काबू में रखा जाए इसकी ट्रेनिंग का नाम रमज़ान है। गोया के एक बेहतर इंसान बनने की ट्रेनिंग का नाम रमज़ान है। और जब हम इतनी साड़ी अच्छाइयों को महीने भर की टेनिंग के दौरान सीख लेते हैं तो उस खुशी के अवसर को आपसी प्यार व भाई चारगी के साथ सेलिब्रेट करने के उत्सव को ईद उल फितर कहते हैं।

ऐसा पावन पवित्र अवसर आप सभी को मुबारक। एक बेहतर ज़िन्दगी जीने की ट्रेनिंग हम सभी को बेहतर इंसान बनाएगी ऐसा रमज़ान मुबारक - ऐसी ईद मुबारक मुबारक।

आपका दोस्त

हारून रशीद

भारत का लक्ष्य समृद्धि और शांति

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद लगाए, पीएम के यूरोप दौरे पर पूरी दुनिया की नजरें हैं - भारत पर वैश्विक विश्वास बढ़ा

पीएम का तीन दिवसीय यूरोप दौरा मज़बूत रिश्तो, बेहतर कारोबारी संबंध, डिफेंस डील सहित समृद्धि और शांति की गाथा साबित होगी - एड किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में हो रही विकास की गाथाओं, गतिविधियों, अद्भुत प्रौद्योगिकी विकास, 75 वें अमृत महोत्सव की गाथा, नई शिक्षा नीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी विदेश नीति और अभी 2 से 5 मई तक तीन दिवसीय पीएम की महत्वपूर्ण यूरोप यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें लगी हुई है!! जो हर भारतीय के लिए गौरववित क्षण है!! आज समय आ गया है कि हम अपने देश को वैश्विक नेतृत्व की पूरी गुणवत्ता से परिपूर्ण देश माने!!
साथियों बात अगर हम हमारे पीएम के तीन दिवसीय यूरोप यात्रा की करें तो इस दौरान कुल 65 घंटों में 25 मीटिंग्स में शामिल होंगे, इस दौरान वह 8 वैश्विक नेताओं से भी मिलेंगे बता दें कि साल 2022 का यह पीएम का पहला विदेश दौरा है, अपने तीन दिन के इस दौरे में वे भारतीय प्रवासियों और व्यापारियों से भी मिलेंगे। हालकिं करीब 6 महीने बाद विदेश दौरे पर गए हैं। आखिरी बार वे पिछले साल 29 अक्टूबर से लेकर 2 नवंबर तक इटली और यूके की यात्रा पर गए थे।
कोरोना काल में उनका ये चौथा विदेश दौरा होगा। 2021 में तीन बार विदेश दौरे पर गए थे, जबकि 2020 में उन्होंने किसी भी देश का दौरा नहीं किया था। उनका यूरोप दौरा बेहद खास है, क्योंकि यूरोप के ज्यादातर देश यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस का विरोध कर रहे हैं। इन देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध भी लगाए हैं। दूसरी तरफ भारत ने अबतक न्यूट्रल रुख अपनाया हुआ है। हालांकि, भारत ने रूस और यूक्रेन दोनों के राष्ट्रपति से बात करके इसे बातचीतसे हल करने की गुजारिश जरूर की है।
साथियों बता दें कि विदेश मंत्रालय बतौर से किए गए एक ट्वीट में इस यात्रा को साझेदारी को गहरा करने, रणनीतिक अभिसरण का विस्तार करने और क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समन्वय बढ़ाने का अवसर बताया गया है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़के साथ छठे भारतजर्मनी इंटर-गवर्नमेंटल कंसल्टेशन (आईजीसी) में भाग लिए, इसके साथ ही पीएम नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए मंगलवार को डेनमार्क भी गए।
साथियों बात अगर हम पीएम के जर्मनी में स्वागत की करें तो, पीएम कार्यालय ने बर्लिन के प्रतिष्ठित ब्रैंडेनबर्ग गेट पर भारत के रंग और विविधता प्रदर्शित करती तस्वीर साझा की है। पीएम के पहुंचते ही भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगने लगे। पीएम जब भारतीय समुदाय के लोगों के बीच पहुंचे तो वहां भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगने लगे। क्या बच्चे क्या महिलाएं सभी पीएम की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे। इस दौरान पीएम भी सभी का अभिवादन स्वीकार किया।
पीएमके होटल एडलॉन केम्पिंस्की पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने ने भी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बीच ये दौरा बेहद महत्वपूर्ण है। इस दौरे में उन सभी सहयोगियों से मुलाकात होगी जो भारत की शांति और समृद्धि की लक्ष्य का अहम हिस्सा रहे हैं।
साथियों बात अगर हम पीएम द्वारा बर्लिन जर्मनी में भारतीय समुदाय को संबोधन की करें तो अप्रवासी भारतीयों ने उन्हें सर आंखों पर बिठा दिया! उन्होंने एक विशाल ऑडिटोरियम में अप्रवासी भारतीयों को संबोधन किया परंतु जिन्हें अंदर प्रवेश नहीं मिल पाया ऐसे विशाल मात्रा में लोग बाहर से ही पीएम का अभिनंदन करते हुए टीवी चैनलों पर हमने देखे और पीएम के संबोधन को सुनकर हमें गर्व हुआ कि हम भारतवासी हैं।
उन्होंने कहा संकट लाने वाले संकट की बात करते हैं हम सल्युएशन की बात करते हैं भारत का किसान दुनिया का पेट भरने आज सामने आ रहा है उन्होंने गवर्नेंस टेक्नोलॉजी कोटि-कोटि जन की ड्राइवफॉर, वर्क इन प्रेजेंटेशन सहित भारत की अनेक उपलब्धियां गिनाई।
जर्मनी में दो लाख से ज्यादा भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे मां भारती की संतानों से आज जर्मनी में आकर मिलने का अवसर मिला है। आप सभी से मिलकर बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का ये समय, भारत के लिए, हम भारतीयों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आज का भारत मन बना चुका है, संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, और आप भी जानते हैं कि जब किसी देश का मन बन जाता है तो वो देश नए रास्तों पर भी चलता है और मनचाही मंजिलों को प्राप्त करके भी दिखाता है।
साथियों बात अगर हम जर्मनी में पीएम के प्रेस वक्तव्य की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा हमारी पिछली आईजीसी वर्ष 2019 में हुई थी। तब से विश्व मे महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। कोविड-19 महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव डाला है। हाल की जियोपोलिटिकल घटनाओं ने भी दिखाया कि विश्व की शांति और स्थिरता कितनी नाजुक स्थिति में है, और सभी देश कितने इंटर कनेक्टेड हैं। यूक्रेन के संकट के आरम्भ से ही हमने तुरंत युद्ध -विराम का आह्वान किया, और इस बात पर जोर दिया था कि विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत ही एकमात्र उपाय है। हमारा मानना है कि इस युद्ध में कोई विजयी पार्टी नहीं होगी, सभी को नुकसान होगा। इसीलिए हम शांति के पक्ष में है। यूक्रेन संघर्ष से उत्पन्न उथल-पुथल के कारण तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, विश्व में खाद्यान्न और फ़र्टिलाइज़र की भी कमी हो रही है। इस से विश्व के हर परिवार पर बोझ पड़ा है, किन्तु विकासशील और गरीब देशों पर इसका असर और गंभीर होगा। इस संघर्ष के मानवीयता प्रभाव से भारत बहुत ही चिंतित है। हमने अपनी तरफ से यूक्रेन को मानवीय सहायता भेजी है। हम अन्य मित्र देशों को भी अन्न निर्यात, तेल आपूर्ति और आर्थिक सहायता के माध्यम से मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

ज़िंदगी कोई किताब होती

काश जिंदगी मेरी कोई किताब होती,
जिक्र तुम्हारे पन्नो को में फाड़ देती ।

स्याही जिस कलम की ईसतमाल होती,
उस काँच की शीशी को में उजाड़ देती ।

सहारा क्यो दिया तुमने,
जबकि खुद को में संभाल लेती ।

हाँ गिरती कही बार,
चूने मेरे रास्तो पर,

लेकिन विश्वास है मुझे,
खुद को में संभाल जाती ।

दिखावे कि तुम्हारे उन बातो को,
काश,पहले ही में पहचान पाती ।

जाहिर कर देते वो राज़,
जो दिल मे थे तुम्हारे ।

सच कहती हूँ,
अपने जिक्र को भी

तुम्हारे (जिन्दगी की)
किताब में टाल देती ।

शार्ट न्यूज

जल है तो कल है, जल की बर्बादी रोकने हेतु मुढ़ी बकापुर में जल बचाओ जीवन बचाओ यात्रा हुई

औरंगाबाद। औरंगाबाद क्षेत्र के ग्राम मुढ़ी बकापुर में जल संरक्षण को लेकर एक यात्रा निकाली गई। यात्रा गांव में बने निशुल्क आधुनिक पुस्तकालय के प्रांगण से जल बचाओ जीवन बचाओ यात्रा लाइब्रेरी में पढ़ने वाले बच्चों के द्वारा गांव की गली गली एवं चौक चौराहे से गुजरी। जल बचाओ जीवन बचाओ यात्रा का नेतृत्व आदर्श गांव मुढ़ी बकापुर सेवा समिति के सदस्य रिंकू प्रजापति के नेतृत्व में किया गया। आदर्श गांव मुढ़ी बकापुर सेवा समिति के सदस्य बॉबी गुर्जर ने बताया कि गांव में एक दशक पूर्व पानी की टंकी का निर्माण किया गया था पानी की टंकी प्रारंभ होने के बाद पानी की टंकी से आने वाला पेयजल गांव के रास्तों एवं नालियों में यूं ही बह रहा था। इस समस्या को देखते हुए आदर्श गांव समिति के सदस्यों के द्वारा गांव में बने निशुल्क आधुनिक पुस्तकालय के प्रांगण से जल बचाओ जीवन बचाओ यात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि जल बचाओ जीवन बचाओ यात्रा के माध्यम से गांव के बुजुर्ग युवाओं एवं महिलाओं बच्चों को जल के महत्व के बारे में टीम के सदस्यों के द्वारा समझाया गया। गांव में पानी की पाइप लाइन में जहां-जहां नल नहीं है वहां वहां गांव के लोगों से पाइप लाइन में नल लगाने की अपील की। बॉबी गुर्जर ने बताया कि जल है तो कल है अन्यथा बिना जल के मानव का जीवन असंभव है। वही समरसेबल के द्वारा जल की बर्बादी को कैसे रोका जाए इसके लिए टीम के सदस्यों ने घर घर गए और उन्होंने गांव के प्रत्येक नागरिक को जल बचाने हेतु जागरूक किया। इस दौरान- कपिल मंडार जोगिंदर गुर्जर बॉबी गुर्जर रिंकू प्रजापति हरेंद्र सैनी नितिन मंडार सचिन विधायक अरविंद लोधी कृष्णा लोधी एकांत मंडार दीपांशु भड़ाना मोहित सैनी तरुण सुमित धर्मेंद्र कुमार रवि लोधी हरेंद्र सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

इटावा में 6 साल की बच्ची से रेप, शादी समारोह से मासूम को अगवा कर दिया वारदात को अंजाम

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के बढ़पुरा थाना क्षेत्र में शादी समारोह में मां के साथ गई छह साल की मासूम बच्ची का अपहरण कर उसके साथ रेप जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया है। बच्ची एक खेत में बरामद हुआ। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने मंगलवार को अपहरण और दुष्कर्म की पुष्टि करते हुए बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले दुष्कर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि वारदात की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने पांच घंटे की मशक्कत के बाद अपहृत लड़की को बरामद कर दुष्कर्मी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित बच्ची अपने परिवार के साथ विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। इसी दौरान आरोपी ने उसका अपहरण कर लिया और कुछ दूरी पर ले जाकर दुष्कर्म किया। मासूम को जिला अस्पताल के बाद बेहतर उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया गया है। सोमवार रात को बढ़पुरा थाना क्षेत्र के एक गांव के गेस्ट हाउस में विवाह कार्यक्रम चल रहा था। इसमें आई एक मासूम करीब साढ़े 11 बजे गायब हो गई। परिजनों और अन्य रिश्तेदारों ने उसकी तलाश करने के साथ ही 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच घंटे के बाद पास के खेत से बच्ची को ढूंढ लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी अमित पछाएगांव का रहने वाला है पुलिस ने कानूनी कार्यवाही करने के बाद उसे जेल भेज दिया है।

बारात में आए युवक की चाकू मारकर हत्या, जनवासे के पास मिली लाश

जौनपुर। जौनपुर में बारात में आए युवक की सोमवार की रात चाकू मारकर हत्या कर दी गई। युवक का शव मंगलवार सुबह जनवासे से 200 मीटर दूर मिलने पर सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार रामपुर थाना क्षेत्र के गंधोना निवासी कमलेश यादव उर्फ बच्ची (24) बारात में शामिल होने के लिए अपने दो साथियों के साथ मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के हरिहरपुर बाइक से आया था। कमलेश के साथियों के मुताबिक जनवासे से 200 मीटर कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और हमला बोल दिया। घटना से घबराया कमलेश अपने साथियों के साथ भागने लगा। इसी दौरान हमलावरों ने कमलेश को पकड़ लिया और चाकू मारकर हत्या कर दी ।दोस्त की हत्या से उसके साथी अंजान थे। दोस्तों को लगा कि अंधेरे का फायदा उठाकर कमलेश भी भागने में सफल रहा लेकिन ऐसा नहीं था। मंगलवार सुबह गांव के चरवाहों ने खेत में शव देखा तो शोर मचाया। ग्राम प्रधान ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शिनाख्त कराई तो पहचान कमलेश के तौर पर हुई। क्षेत्राधिकारी संत कुमार उपाध्याय ने बताया कि मृतक के परिवार वालों को बुलाया गया है। आने पर तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में पुलिस कुछ संदग्धि लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर वृन्दावन में उमड़ा तीर्थयात्रियों का सैलाब

मथुरा। उत्तर प्रदेश में पौराणिक नगरी मथुरा एवं वृंदावन में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर मंगलवार को मन्दिरों में तीर्थयात्रियों का सैलाब उमड़ पड़ा ।वृंदावन स्थित भगवान कृष्ण के बांकेबिहारी मन्दिर में चरण दर्शन के लिये सुबह से ही होड़ लग गयी। मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने बताया कि वृन्दावन में पूरे हर्षोल्लास के साथ अक्षय तृतीया का पर्व मनाया गया। इस दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना का समाचार नहीं है। उन्होंने कहा कि वृन्दावन के प्रमुख मन्दिरों में स्थिति पर नजर रखने के लिये सादा वर्दी में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था, जिससे न केवल महिलाओं के साथ अभद्रता को रोका जा सके बल्कि जेबतराशी और झपटमारी जैसे अपराधों को भी रोका जा सके। इस दौरान यातायात व्यवस्था सुनियोजित बनाने के कारण आज सडको पर होने वाले जाम को भी रोका जा सका। अक्षय तृतीया का पर्व वृन्दावन के मन्दिरों में चन्दनयात्रा के रूप में भी मनाया गया। ऐसी मान्यता है कि इस दिन ठाकुर जी के दर्शन करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। बांकेबिहारी मन्दिर में सेवायत आचार्य ज्ञानेन्द्र गोस्वामी के अनुसार तीर्थयात्रियों की सबसे अधिक भीड़ बांकेबिहारी मन्दिर में ठाकुर जी के चरण दर्शन के लिये रही। इस मन्दिर में ठाकुर के चरण दर्शन वर्ष में एक बार केवल अक्षय तृतीया पर ही होते हैं ।वृन्दावन के ही राधादामोदर मन्दिर में आज चरण दर्शन करने वालों में विदेशी कृष्ण भक्तों की संख्या भी अधिक थी।

पूर्वांचल के वरिष्ठ वकील प्रभाकर राम त्रिपाठी का निधन

देवरिया। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल इलाके के वरिष्ठ फौजदारी अधिवक्ता प्रभाकर राम त्रिपाठी का मंगलवार को तड़के निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। देवरिया सिविल कोर्ट में फौजदारी के वरिष्ठ वकील त्रिपाठी की सोमवार को देर रात तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। जहां तड़के उनका उपचार के दौरान निधन हो गया। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनके पुत्र कंचन त्रिपाठी भी देवरिया सिविल कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। परिजनों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार बरहज में सरयू नदी के तट पर किया जायेगा। जिले में रूद्रपुर तहसील के ग्राम डहरौली निवासी त्रिपाठी ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से विधि स्नातक की उपाधि हासिल करने के बाद 1962 में देवरिया स्थित दीवानी अदालत में बतौर वकील प्रेक्टिस शुरु की थी।

ललितपुर में नाबालिग से थाने में ही रेप

गैंगरेप की शिकायत को पहुंची किशोरी से एसओ ने की दरिंदगी

ललितपुर। यूपी के ललितपुर में थाने में ही नाबालिग से रेप की सनसनीखेज वारदात हुई है। नाबालिग का अपहरण कर चार लोगों ने गैंगरेप किया था। इसी की शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंची तो एसओ ने उसके साथ रेप किया। ललितपुर में थाने के अंदर नाबालिग से रेप की सनसनीखेज वारदात हुई है। रेप किसी और ने नहीं एसओ ने ही किया। पहले चार लोगों ने किशोरी का अपहरण कर गैंगरेप किया। तीन दिन बाद उसे पाली थाने में लाकर छोड़ दिया। पुलिस ने उसे मौसी के सुपुर्द किया तो मौसी फिर उसे थाने ले आई। वहां उसके साथ फिर रेप हुआ। एसपी से शिकायत पर इंसपेक्टर व मौसी समेत छह लोगों पर मुकदमा

दर्ज किया गया है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पाली थाना क्षेत्र की एक महिला ने एसपी से शिकायत की कि उसकी नाबालिग बेटी को पाली के चार लोग 22 अप्रैल को बहला कर भोपाल ले गये। उसे रेलवे स्टेशन के पास तीन दिन तक छिपाकर रखा और दुष्कर्म किया। 26 अप्रैल को चारों लड़की को वापस लाए और थाना पाली में छोड़ कर भाग गए। पुलिस ने लड़की को उसकी मौसी के पास पहुंचा दिया। मौसी ने उसे ककड़ारी गांव भेज दिया, जहां दुराचार करने वाले एक युवक की बहन रहती है। 27 अप्रैल की सुबह किशोरी को थाने बुलाकर बयान दर्ज किया गया। शाम को मौसी उसे इंसपेक्टर के कमरे में ले गयी। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। रेप के बाद पुलिस ने उसे फिर मौसी को सौंप दिया गया। बरामदगी या बयान की सूचना माता-पिता को नहीं दी गई। 30 अप्रैल को उसकी बेटी को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर दिया गया।

जहां काउंसलिंग में उसने सारी घटना बताई। महिला की शिकायत पर एसपी ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। चन्दन, राजभान, हरिशंकर, महेन्द्र चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक पाली तिलकधारी सरोज व मौसी गुलाबबाई के खिलाफ अपहरण, गैंगरेप, साजिश आदि की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

खनन रोकने पर वन्य जीव संरक्षक को मिली जान की धमकी

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा के सहसो इलाके के राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी मे खनन माफियाओ ने वन्य जीव संरक्षक को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि खनन माफिया की ओर से दी गई धमकी के बाद सहसो थाने मे मुकदमा दर्ज करके पुलिस कार्यवाही मे जुट गई है। उन्होने बताया कि धारा 506 आईपीसी के साथ 26 भारतीय वन अधिनियम व वन्य जीव संरक्षण अधिनियम मे मामला दर्ज किया गया है। सहसो पुलिस थाने मे दर्ज किये गये मामले के मुताबिक यह मामला 26 अप्रैल का है लेकिन इसका मामला 2 मई को देर रात नौ बजे के आसपास दर्ज कराया गया। राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी के पिपरौली गढिया के वीट प्रभारी वन जीव संरक्षक प्रताप सिंह ने पिपरौली गढ़िया गांव के गौरव समेत पांच अन्य खनन माफियाओ के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। प्रताप सिंह ने बताया कि पिपरौली गढ़िया के पांच ऊंट वाले मना करने के बावजूद भी गांव के नीचे से प्रवाहित चंबल नदी से अवैध बालू खनन कर रहे हैं। मना करने पर ऊंट वालों ने जान से मारने की धमकी दी गई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस व सेंचुरी की टीम अपनी-अपनी विभागीय कार्रवाई में जुटे हुए हैं । इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। चंबल सेंचुरी के रेंजर चकरनगर हरि किशोर शुक्ला ने कहा कि बीट प्रभारी प्रताप सिंह ने पांच ऊंट वालों के खिलाफ अवैध बालू खनन व जान से मारने की धमकी के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कालीन कारोबारी के गोदाम में लगी भीषण आग, दस करोड़ की क्षति का अनुमान

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र में एक कारपेट (कालीन) कारोबारी के गोदाम में आग लग गई जिससे करीब दस करोड़ रुपये की क्षति होने का अनुमान किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कालीन कारोबारी गोपाल जी बरनवाल के गोदाम में सोमवार दोपहर दो बजे से लगी आग की लपटों पर मंगलवार सुबह सात बजे तक काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि चार जिलों की दस दमकल की गाड़ियों से आए लगभग 100 दमकल कर्मियों और अधिकारियों की टीम ने आग पर काबू करने में सफलता पाई है और इस आग में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। जिला दमकल अधिकारी ओम प्रकाश माथुर ने बताया कि दो मंजिला इमारत के भूतल पर कार्पेट का गोदाम है जबकि उपर वाले तल पर एचडीएफसी बैंक की शाखा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को दोपहर गोदाम में आग लग गई जिस पर पर मंगलवार सुबह तक काबू पा लिया गया। माथुर ने बताया कि आग से बैंक सुरक्षित है लेकिन गोदाम में रखा माल, मशीने जलने से और बिल्डिंग पूरी तरह से ध्वस्त होने की स्थिति में है। दमकल अधिकारी ने बताया बिल्डिंग सहित करीब दस करोड़ रुपये की क्षति का अनुमान प्रथम दृष्टया सामने आया है। उन्होंने बताया कि कार्पेट कंपनी की तरफ से दमकल विभाग से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं लिया गया है और ना ही इतने बड़े गोदाम में आग बुझाने का कोई संयत्र लगा पाया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के साथ मौका मुआयना करने पहुंचे पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अनिल कुमार ने मंगलवार को बताया कि मौके पर दमकल की तीन गाड़ी के साथ भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात है।

जौनपुर में युवक ने एक ही परिवार के पांच सदस्यों पर गोली चलाई, एक की मौत, अन्य घायल

जौनपुर। जौनपुर में एक युवक ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर गोली चला दी। इससे एक बुजुर्ग की मौत हो गई। अन्य लोग घायल हो गए। इसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना नेवढ़िया थाना क्षेत्र के रामनगर बिधमौवा गांव में सोमवार की रात करीब 12 बजे हुई। पुलिस ने आरोपी युवक के साथ ही उसकी मां के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज की है। युवक फरार हो गया है, उसकी मां को गिरफ्तार किया गया है।

जौनपुर के अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश में घटना होने की बात सामने आ रही है। उन्होंने बताया कि रामनगर निवासी रविंद्र यादव का

परिवार दो दिन पहले मुंबई से आया है। उनकी बेटी खुशबू के हवाले से बताया कि सोमवार की रात करीब 12 बजे परिवार के लोग भोजन के बाद अपने-अपने कमरे में थे, तभी पड़ोस का आकाश उर्फ राजू पिस्टल लेकर पहुंचा। राजू ने पहले रविंद्र के पिता राजबली (65) पर गोली चलायी, यह देखकर रविंद्र की मां शांति देवी (60), पत्नी विमला देवी (40) और बेटा गौरव (13) कमरे से बाहर आए तो राजू ने इन्हें भी गोली मार दी। उन्होंने बताया कि रविन्द्र यादव (42) को उसने पिस्टल की मुठिया से मारकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया।

उन्होंने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां रास्ते में ही राजबली की मौत हो गई जबकि दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारी ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि स ?थानीय निवासियों ने दावा किया कि हमलावर युवक सनकी किस्म का है और मुंबई में वह एक मामले में जेल भी जा चुका है।

आरोपी राजू उर्फ राजीव नेवढ़िया थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। उसकी गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गयी हैं। वहीं, राजबली के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद भंडारी चौकी प्रभारी ने शव परिजनों को सौंप दिया।

पियारेपुर एएनएम सेंटर पर मिशन इंद्रधनुष का हुआ शुभारंभ

गौरवशाली भारत संवाददाता

कटेहरीअम्बेडकर नगर। कटेहरी ब्लाक अंतर्गत पियारेपुर एएनएम सेंटर पर डीएमसी यूनीसेफ आरती यादव ने सघन मिशन इंद्रधनुष 4.0 अभियान का शुभारंभ किया ।दो वर्ष तक छूटे हुए बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को प्रतिरक्षित करने के उद्देश्य से अभियान की शुरुआत की गयी ।इस अवसर पर प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ रामा नन्द सिद्धार्थ ने दो साल तक के बच्चों को पोलियो,ओपीवी ड्रॉप पिलाई ।वहीं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी गौतम मिश्रा,एसएमओ डॉ आंसु सिंह ने भी बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाते हुए उनके अभिभावकों को प्रोत्साहित किया।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि नवजात शिशुओं और बच्चों में होने वाली जानलेवा बीमारियों जैसे-पोलियो,खसरा-रूबेला, रोटा वायरस,डिप्थीरिया, टिटनेस,काली खांसी आदि से बचाने के लिए संपूर्ण टीकाकरण बेहद जरूरी है ।सरकार नवजात शिशुओं और बच्चों को इन बीमारियों से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है ।उन्होंने बताया कि इंद्रधनुष के सात रंगों को प्रदर्शित करने वाले इस मिशन का उद्देश्य है कि सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण करना है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटेहरी के प्रभारी डॉ गौतम मिश्रा ने बताया कि जनता से अपील किया कि अपने घर परिवार में कोई गर्भवती महिला एवं जन्म से लेकर दो वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं ।अभियान में ईट- भट्ठों और निर्माण साइटों पर रहने वाले परिवारों के टीकाकरण पर जोर दिया जाएगा,क्योंकि इन दोनों स्थानों पर रहने वाले परिवार एक से दूसरे जगह स्थानांतरित करते रहते हैं ।इसलिए सामान्य अभियान के दौरान इनके छूटने की आशंका बनी रहती है ।टीकाकरण न होने वाले या फिर आंशिक टीकाकरण वाले बच्चों को अभियान के तहत ग्यारह तरह की बीमारियों से बचाने वाले टीके लगाए जाएंगे ।इस मौके पर डॉ दिग्विजयसिंह डॉ शालिनी पांडये डॉ नलिनी सिंह,डॉ एआरओ अवधेश शर्मा,बीएमसी यूनीसेफ राजेन्द्र त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

बस्ती मे सड़क दुर्घटना मे तीन युवकों की मौत

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मनौरी ओवर ब्रिज पर सामने से आ रही मोटर साइकिल सवार तीन युवकों को मंगलवार को सुबह बस ने सामने से टक्कर मार दी। इस घटना में तीनों की मौत हो गयी है। पुलिस के अनुसार दिल्ली से बिहार जा रही बस ने कोतवाली थाना क्षेत्र के मनौरी ओवर ब्रिज पर आ रही मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे मोटर साइकिल बस के नीचे चली गयी और उस पर सवार तीन युवकों, नीरज राजभर (20), अनिल (19) और सन्दीप (20) निवासी ग्राम कोरमा थाना कलवारी की मौके पर ही मौत हो गयी। तीनों युवक एक बारात में शामिल होने के लिये रूधौली गये थे। बारात से वापस अपने घर जाते समय यह हादसा हुआ। बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बस्ती मण्डल में तेज हवाओं से आम की फसल को नुकसान

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती मण्डल के बस्ती,सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर जिलो में पिछले 24 घंटे से जारी तेज रफ्तार हवाओं से आम की फसल को खासा नुकसान हुआ है।

बस्ती बस्ती,सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर जिलो मे आम की फसल इस बार अच्छी लगी हुई है लेकिन तेज हवा के कारण कच्चे आम पेड़ से टूट कर गिर रहे है जिससे उसको औने-पौने दामो पर बेचा जा रहा है अगर मौसम का यही हाल रहा तो पकने से पहले 25 से 40 प्रतिशत आम कम हो जायेंगे।

मौजूदा समय मे जो आम बाजार मे उपलब्ध है वो बाहरी प्रदेशों के आम है, अभी आम के पकने मे एक माह का समय लगेगा। कुछ स्थानों पर आम के फल बड़े हो गये है लेकिन पकने मे समय लगेगा। जिन किसानों के पास छोटे बागीचे है और पेड़ों की संख्या कम है, उन पर मच्छरदानी लगा कर आम के फल को रोकने का प्रयास किया जा रहा है फिलहाल आम की फसल जब अच्छी आती है तो आंधी,तेज हवा जरूर आती है।

मौसम विभाग के सूत्रो ने बताया है कि भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच उत्तर प्रदेश के कई जिले में मौसम एक बार फिर रुख बदला है। प्रदेश के कई इलाकों में मंगलवार को आसमान पर बादल छए हुए है। बस्ती,सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर सहित अन्य जिलों मे तेज हवा चल रही है। पूर्वांचल मे गर्मी का प्रकोप जारी है मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो हर बार की तरह इस बार भी मई-जून में भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं।

सहारनपुर : बच्चे की हत्या के आरोपी को अदालत ने सुनायी 10 साल की सजा

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश परितोष श्रेष्ठ ने पांच साल के एक बच्चे की हत्या के मामले में आरोपी को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 25 नवंबर 2011 को थाना बड़गांव के गांव मियानगी निवासी राजेश कुमार के पांच वर्षीय बेटे सेवक की स्कूल जाने के दौरान हत्या हो गई थी। उसका शव गांव के खेत में पड़ा मिला था। इस मामले में गांव के ही निवासी अरूण कुमार को हत्या के लिये आरोपी बनाया गया था। मामले में पुलिस की ओर से अदालत के समक्ष पेश आरोप पत्र में बताया गया कि आरोपी अरूण, पीड़ित पक्षकार राजेश कुमार की बेटी से शादी करना चाहता था, लेकिन परिजनों के इनकार करने से वह नाराज था।

अगर नाराज हूं तो किस स्तर तक उसने हृदय को चोट दी होगी : शिवपाल

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने मंगलवार को ईद के बहाने अपने भतीजे और समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिये बगैर एक बार फिर निशाना साधते हुये अपना दर्द बयां किया और कहा कि अगर नाराज हूं तो किस स्तर तक उसने हृदय को चोट दी होगी।

यादव ने ट्वीट किया अपने सम्मान के न्यूनतम बिंदु पर जाकर मैंने उसे संतुष्ट करने का प्रयास किया। इसके बावजूद भी अगर नाराज हूं तो किस स्तर तक उसने हृदय को चोट दी होगी।

उन्होने कहा हमने उसे चलना सिखाया.. और वो हमें रौंदते चला गया.. एक बार पुन: पुनर्गठन,आत्मविश्वास व सबके

सहयोग की अप्रतिम शक्ति से ईद की मुबारकबाद।

गौरतलब है कि शिवपाल और अखिलेश के बीच रिश्तों में खटास 2012 के विधानसभा चुनाव के बाद ही आ गयी थी जब उन्हे दरकिनार कर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने अखिलेश के पक्ष में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने की मौन स्वीकृति प्रदान की थी मगर उसके बाद दोनो के रिश्तों में उतार चढ़ाव का दौर जारी रहा और शिवपाल ने इस बीच अपनी पार्टी का गठन किया। पिछले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर चाचा भतीजे भाजपा को हराने के संकल्प के साथ मंच साझा करने को तैयार हुये और शिवपाल को सपा का टिकट दिया गया हालांकि उनकी पार्टी प्रसपा को इस चुनाव में दरकिनार कर दिया गया मगर सपा गठबंधन को मिली हार के बाद दोनो के बीच एक बार फिर दूरियां बढ़ गयीं। सपा अध्यक्ष ने शिवपाल पर भाजपा से संबंध प्रगाढ़ करने और जल्द ही भाजपा में जाने की आशंका जतायी वहीं शिवपाल अखिलेश विरोधी लाबी के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं जिसमें सपा के राज्यसभा सांसद सुखराम सिंह यादव और जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खां शामिल हैं।

झांसी में जोश, उल्लास के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनायी गयी ईद

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी में मंगलवार को ईद उल फित्र का त्योहार पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया गया।

इस दौरान महानगर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और एक साथ मिलकर नमाज अदा की। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो साल से अन्य त्योहारों की तरह ईद पर भी लोगों के एकत्र होने की मनाही रही और दूसरे प्रतिबंध भी लागू रहे। लोग घरों में ही ईद की नमाज अदा करते रहे लेकिन इस बार सभी तरह के प्रतिबंध हटने से ईद के मौके पर बच्चों के साथ-साथ बड़ों में भी एक अलग सा ही जोश और उल्लास नजर आया।

ईदगाह में लगभग 25 हजार लोगों ने एक साथ नमाज अदा की। नमाज अदा करने के बाद लोगों एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते नजर आये और बच्चे रंगे-बिरंगे कपड़ों में सजकर घरों से निकले। लंबे समय के बाद लोग एक-दूसरे के घर भी मुबारकबाद देने पहुंचे।

शहर काज़ी मुफ्ती साबिर कासिम ने

ईदगाह में नमाज अदा कराते हुए देश में अमन और चैन की दुआ मांगी। शहर काजी ने कहा, मैं सभी लोगों को ईद की मुबारकबाद देता हूं। आज हम अपने गुनाहों की माफी मांगने के लिए ईदगाह में एकत्र हुए हैं। भरोसा है कि अल्लाह हमारे गुनाहों को माफ करेंगे। मैं देश के हर व्यक्ति को ईद की मुबारकबाद देता हूं। दूसरी ओर पुलिस और प्रशासन ने भी इस दौरान सुरक्षा और दूसरी व्यवस्थाओं के चाक-चौबंद इंतजाम किये।

मस्जिदों और ईदागाह की ओर जाने वाले मार्गों से यातायात को दूर रखा गया। पुलिस प्रशासन की ओर से लोगों को ईद मिलने के लिए एक-दूसरे के घर जाते समय वाहन चलाते समय यातायात के नियमों की अनदेखी न करने की सलाह दी गयी। दुपहिया वाहनों पर हेलमेट और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने के साथ रफ्तार को नियंत्रित रखने और अन्य सलाह भी दी गयी।

इस दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेने जिले के आला अधिकारी भी सड़क पर उतरे। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवहरि मीणा ने पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण किया तथा जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

सभी प्रमुख मस्जिदों एवं ईदगाहों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं क्षेत्राधिकारी/प्रभारी निरीक्षक के साथ समुचित पुलिस बल का प्रबंध किया गया। साथ ही सघन आबादी वाले क्षेत्रों की समस्त गतिविधियों पर पुलिस द्वारा सतर्क निगरानी रखी गयी।

अप्रैल के निर्यात के आंकड़ों से निर्यातक उत्साहित

नयी दिल्ली। निर्यात समुदाय ने विदेशी बाजारों में भारतीय माल की अप्रैल 2022 में रिकॉर्ड बिक्री पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि इससे चालू वित्त वर्ष में उन्हें निर्यात कारोबार और तेज करने के लक्ष्य की ओर बढ़ने का उत्साह मिलेगा।

वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले महीने अप्रैल 2022 में भारत का वाणिज्यिक निर्यात 38 अरब डालर के ऊपर रहा। यह किसी एक माह में अबतक का सबसे बड़ा निर्यात है।

निर्यात संगठनों के शीर्ष मंच फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (फिओ) के अध्यक्ष डॉ ए शक्तिवेल ने इन आंकड़ों पर प्रारंभिक प्रतिक्रिया में कहा,चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में अबतक के सर्वोच्च मासिक निर्यात से यह दिख रहा है कि निर्यात क्षेत्र का शानदार प्रदर्शन बना हुआ है।

डॉ शक्तिवेल ने कहा कि निर्यातकों की उल्लेखनीय उपलब्धियों से ना केवल अर्थव्यवस्था को अच्छा लाभ हो रहा है बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 2025 तक पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के हमारे प्रयासों को भी इससे मदद मिलेगी। उन्होंने कहा,वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत से निर्यातकों को चालू वित्त वर्ष में और ऊंचे लक्ष्य हासिल करने का उत्साह मिलेगा।

उन्होंने निर्यात समुदाय को निरंतर समर्थन देने और उनपर विश्वास एवं भरोसा जताने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के प्रति आभार व्यक्त किया।

फियो अध्यक्ष ने कहा कि अप्रैल में इंजीनियरिंग समान, पेट्रोलियम उत्पाद, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों, औषधियों, इलेक्ट्रोनिक समान, रेडीमेड कपड़े और वस्त्र, सूती धागा, कपड़ा और मेड-अप हथकरघा उत्पाद तथा प्लास्टिक और लिनोलियम उत्पादों का निर्यात बहुत अच्छा रहा।

उन्होंने कहा कि हाल ही में आस्ट्रेलिया और यूएई के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों और सरकार द्वारा स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गयी उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से निर्यात क्षेत्र को पिछले वित्त वर्ष की उपलब्धियों से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल भारत का वाणिज्यिक निर्यात पहली बार 400 अरब डालर से ऊपर रहा।

भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद् (ईईपीसी इंडिया) के चेयरमैन महेश देसाई ने कहा कि भू-राजनैतिक चुनौतियों के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात में तेजी बनी रही। इसका अप्रैल में इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ नौ अरब डालर से ऊपर रहा। इससे स्पष्ट दिख रहा है कि भारत धीरे-धीरे विनिर्माण क्षेत्र में दुनिया की एक ताकत बन रहा है।

श्री देसाई ने कहा कि यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौतों से निर्यात को और बल मिलने की उम्मीद है। ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों के साथ भी इसी तरह के समझौतों की बात चल रही है। उनके साथ समझौता होने के बाद भारत का निर्यात को और प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा की निर्यात क्षेत्र के सामने इस समय कई चुनौतियां भी हैं। लॉजिस्टिक्स की लागत ऊंची है। कच्चे माल की कीमतों में भी अभूतपूर्व उछाल आया है। इससे इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों को नुकसान हो रहा है। हमें उम्मीद है कि सरकार इसका असर कम करने के लिए कुछ नीतिगत कदम जरूर उठाएगी।

शार्ट न्यूज

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को चौथी तिमाही में 864 करोड़ का रिकॉर्ड लाभ

मुंबई। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को बताया कि 31 मार्च 2022 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी को 864 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ जो अबतक का उसका सर्वोच्च तिमाही लाभ है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी ने 107 करोड़ रुपये का लाभ दिखाया था। कंपनी ने एक बयान में कहा है कि कर्चम वांगटु परियोजना की वास्तविक कीमत के समायोजन के बाद जनवरी-मार्च 2022 की तिमाही में उसका लाभ 372 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी का कुल राजस्व 64 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2655 करोड़ रुपये रहा जो कि पिछले साल इस दौरान 1,614 करोड़ रुपये था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1729 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ दिखाया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 795 करोड़ रुपये की तुलना में 117 प्रतिशत अधिक है। वर्ष के दौरान कंपनी ने 22 प्रतिशत की वृद्धि के सात 8,736 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया जोकि वित्त वर्ष 2020-21 में 7160 करोड़ रुपये था। कंपनी के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को प्रति शेयर दो रुपये की दर से लाभांश देने की सिफारिश की है।

गोयल को उम्मीद, निर्यात में नयी ऊंचाईयां हासिल करेगा भारत

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले माह अप्रैल में निर्यात के नए रिकॉर्ड को शानदार शुरूआत बताते हुए चालू वित्त वर्ष में निर्यात क्षेत्र में नयी उपलब्धियां प्राप्त होने का विश्वास जताया है। गोयल ने मंगलवार को जारी अप्रैल 2022 के निर्यात के आंकड़ों पर ट्विटर पर बयान में कहा शानदार शुरूआत : नए वित्त वर्ष की शुरूआत अप्रैल में निर्यात के नए कीर्तिमान के साथ हुयी है। यह पिछले साल से 24 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा, हमनें 2021-22 में निर्यात क्षेत्र में ऐतिहासिक ऊंचाई कायम की तथा उससे आगे बढ़ रहे हैं और हमें विश्वास है कि हाल में किए गए नए व्यापार समझौतों की मदद से हमें नए लक्ष्य हासिल होंगे।

अडानी विलमर का हुआ कोहिनूर ब्रांड

मुंबई। अडानी समूह की कंपनी अडानी विलमर ने मंगलवार को कहा कि उसने स्विट्जरलैंड की कंपनी मैककोरमिक से कोहिनूर ब्रांड चावल का कारोबार खरीद लिया है। इस सौदे से रोजमर्रा की जरूरत की उपभोक्ता वस्तुओं का कारोबार करने वाली कंपनी अडानी विलमर की बाजार में स्थिति मजबूत होने की संभावना है। कंपनी ने यह नहीं बताया है कि यह सौदा कितने रूपये में हुआ है। बयान में कहा गया है कि उसने मैककोर्मिक स्विट्जरलैंड से उसके मशहूर कोहिनूर ब्रांड बासमती चावल और कुछ अन्य ब्रांड का कारोबार अधिग्रहित किया है। यह अधिग्रहण भारतीय क्षेत्र के लिए है। बयान में कहा गया है कि कोहिनूर बासमती के अलावा कोहिनूर ब्रांड के तहत आने वाले रेडी टू कुक, रेडी टू इट भोजन उत्पादों के कारोबार पर पूरा अधिकार अडानी विलमर लिमिटेड का होगा। अडानी विलमर ने कहा है कि वह अपने प्रथम सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के पैसे से इस सौदे का भुगतान करेगी।

फ्लाईबिग ने शुरू की दिल्ली से शिलांग के लिए सप्ताह में दो उड़ानें

नयी दिल्ली। देश के विमानन सेवा बाजार में प्रवेश करने वाली नयी एयरलाइन फ्लाईबिग ने कहा है कि उसने दिल्ली से शिलांग के बीच सीधी उड़ान-सेवाएं शुरू की हैं। ये सप्ताह में दो दिन परिचालित की जाएंगी। एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा, 'दो मई को शिलांग देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में उसका आठवां गंतव्य बन गया।' एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली-शिलांग मार्ग पर फ्लाईबिग की उड़ाने सोमवार और शुक्रवार को परिचालित की जाएंगी। एयरलाइन ने कहा है कि ये उड़ानें दोनों दिन 9:20 बजे शिलांग से प्रस्थान करेंगी और 12:25 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली से 12:55 बजे प्रस्थान कर उड़ान 16:20 बजे शिलांग पहुंचेगी। इस मार्ग पर फ्लाईबिग ने प्रति सप्ताह 312 सीटें जोड़ीं हैं जो प्रति वर्ष 16,224 सीट के बराबर होगी। जनवरी 2021 में सेवाएं शुरू होने के बाद असम के 4 शहरों, अरुणाचल प्रदेश के 2 शहरों , त्रिपुरा के एक शहर को जोड़ने के बाद शिलांग (मेघायल) पहुंची है। फ्लाईबिग के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कैप्टन संजय मंडाविया ने कहा, मुझे यह सेवा शुरू करते हुए बहुत गर्व और सौभाग्य की अनुभूति हो रही है। .. हमने पूरे उत्तर-पूर्व सहित पूरे भारत के लाखों यात्रियों को विमान से उनके गंतव्यों तक जोड़ा है। फ्लाईबिग का कहना है कि शिलांग-दिल्ली मार्ग पर अन्य एयरलाइन ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा करने में 8-10 घंटे का समय लगता है जबकि उसके साथ समय साढ़े तीन घंटे लगते हैं।

एनडीएमसी के लिए वित्त वर्ष 2022-23 अच्छी स्थिति के साथ शुरू : सुमित देब

नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास लिमिटेड (एनएमडीसी) ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले महीने में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 31.5 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया। कंपनी ने अप्रैल 2021 में 31.3 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। एनडीएससी का अप्रैल माह में यह सर्वोच्च उत्पादन है और कंपनी का 31 मार्च 2022 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में लौह अयस्क का उत्पादन 4.2 करोड़ टन रहा। आंकड़ो के अनुसार एनएमडीसी ने अप्रैल 2022 में 31.2 लाख टन लौह अयस्क की बिक्री की जोकि इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में बेचे गए 30.9 लाख टन लौह अयस्क से 0.9 प्रतिशत अधिक है। एनडीएमसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुमित देब ने कहा,कंपनी के लिए वित्त वर्ष 2022-23 अच्छी स्थिति के साथ शुरू हुआ है और यह प्रदर्शन रणनीतिक स्थिति के साथ हमारे दल की कड़ी मेहनत को भी दर्शाता है। नई तकनीक और डिजिटल पहलों को अपनाने से हमारी आपूर्ति श्रृंखला में मजबूती आई है और एनएमडीसी भविष्य के लिए तैयार हो रही है। लौह अयस्क के 4.2 करोड़ टन उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद, हमें आशा है कि एनएमडीसी निकट भविष्य में पांच करोड़ टन खनन करने वाली कंपनी बन जाएगी।

जिंसों के भाव स्थिर

नयी दिल्ली। विदेशी बाजार की गिरावट और स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर अमेरिकी सोया तेल का मई वायदा 0.47 सेंट की गिरावट लेकर 82.23 सेंट प्रति पौंड बोला गया। ईद उल फितर पर अवकाश के कारण मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज कारोबार स्थगित रहा। इस दौरान स्थानीय स्तर पर सोया रिफाइंड, पाम ऑयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ में स्थिरता रही। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ ।अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700,दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 8900-9000, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3740-3840, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3300-3400 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19267 रुपये, मूंगफली तेल 20292 रुपये, सूरजमुखी तेल 20292 रुपये, सोया रिफाइंड 19047 रुपये, पाम ऑयल 17215 रुपये और वनस्पति तेल 17729 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

अप्रैल 2022 में कोयले का कुल उत्पादन 6.62 करोड़ टन

एजेंसी

नयी दिल्ली। तेज गर्मी में बिजली की भारी मांग के बीच देश का कुल कोयला उत्पादन अप्रैल 2022 में 6.62 करोड़ टन रहा। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि अप्रैल में देश की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीईएल) और इसकी अनुषंगी कंपनियों ने 5.44 करोड़ टन और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड(एससीसीएल) ने 53.23 लाख टन उत्पादन किया। कैपटिव (खुद के इस्तेमाल के लिए) खानों का उत्पादन 73.61 लाख टन रहा।

बयान के मुताबिक अप्रैल 2022 में कोयले का कुल उठाव 7.09 करोड़ टन रहा, जिसमें से बिजली क्षेत्र को 6.17 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गयी। अप्रैल में कोल इंडिया ने बिजली घरों को 4.97 करोड़ टन कोयला भेजा।

वित्त वर्ष 2021-22 में कोयले का कुल उत्पादन 8.55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77.70 करोड़ टन (त्वरित अनुमान) रहा जोकि इससे पिछले वित्त वर्ष में 71.60 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2021-22 में कोयले के उठाव में 18.43 प्रतिशत दर्ज की गयी और यह 81.80 करोड़ टन रहा, वित्त वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 69.01 करोड़ टन था।

कोल इंडिया ने इस बार अप्रैल में 6.02 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5.44 करोड़ टन कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन किया।

कोल इंडिया का वित्त वर्ष 2021-22 में कोयले का उत्पादन 4.43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 62.21 करोड़ टन रहा जोकि वित्त वर्ष 2020-21 में 59.60 करोड़ टन था। इस अवधि में कंपनी का कुल उठाव 66.11 करोड़ टन रहा जोकि वित्त वर्ष 2020-21 में 57.30 करोड़ टन था।

एससीसीएल के कोयला उत्पादन में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 28.55 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी जोकि इस अवधि में 6.50 करोड़ टन रहा। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का कोयला उत्पादन 5.01 लाख टन था। कैपटिव (खुद के इस्तेमाल के लिए) खानों का कोयला उत्पादन वित्त वर्ष 2020-21 में हुए 6.90 करोड़ टन के मुकाबले वित्त वर्ष 2021-22 में 8.91 करोड़ टन रहा।

अडानी समूह की एक और कंपनी का मुनाफा हुआ कम, समझें नुकसान की वजह

नई दिल्ली। अडानी समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के मार्च तिमाही के नतीजे जारी हो गए हैं। 31 मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में कंपनी का मुनाफा दो प्रतिशत घटकर 325.76 करोड़ रुपये पर आ गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 332.53 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय 2021-22 की चौथी तिमाही में बढ़कर 25,141.56 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 13,688.95 करोड़ रुपये थी। वजह क्या है : मुख्य रूप से खर्च बढ़ने से कंपनी का लाभ घटा है। तिमाही के दौरान अडानी एंटरप्राइजेज का खर्च बढ़कर 24,673.25 करोड़ रुपये पहुंच गया जो एक साल पहले 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में 13,213.95 करोड़ रुपये था। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की बात करें तो इसका भाव 2339.30 रुपये के स्तर पर है। बीते सोमवार को बीएसई इंडेक्स पर शेयर का भाव 0.27 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। अडानी विल्मर का मुनाफा घटा : इससे पहले जनवरी-मार्च की अवधि के दौरान अडानी विल्मर का मुनाफा 26 फीसदी गिरकर 234 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, अवधि के दौरान परिचालन से राजस्व, 40 फीसदी बढ़कर 14,960 करोड़ रुपये हो गया।

सोने में निवेश करने वालों को सालभर में मिला बंपर रिटर्न

नई दिल्ली। सोना खरीदना और सोने में निवेश करना भारतीयों की पहली पसंद है। लंबे समय से सोने को शानदार निवेश विकल्प के तौर पर देखा जाता है। आज अक्षय तृतीया है। आज के दिन सोना खरीदना बेहद शुभ माना जाता रहा है। अगर आप भी सोने में निवेश करने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि शानदार रिटर्न देने के मामले का गोल्ड का बेहतर रिकार्ड रहा है। पिछले साल अक्षय तृतीया पर अगर किसी निवेशक ने गोल्ड में निवेश किया होता तो उसे इस अक्षय तृतीया पर लगभग 10 प्रतिशत तक का फायदा मिलता।

46 हजार रुपये से बढ़कर 51 हजार रुपये पर पहुंचा सोना

इंडिया बुलियंस एसोसिएशन द्वारा जारी हाजिर रेट के मुताबिक सोमवार को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का भाव 51336 रुपये प्रति दस ग्राम था। आज भी यही कीमतें लागू होंगी क्योंकि आज ईद का त्योहार है और इस मौके पर कॉमोडिटी मार्केट बंद है। इसलिए आज नए रेट जारी नहीं होंगे। पिछले साल अक्षय तृतीया के दिन यानी 14 मई 2021 को सोने का भाव 46,946 रुपये प्रति दस ग्राम था। यानी अगर सालभर में देखा जाए तो यह 9.35 पर्सेंट का मुनाफा हुआ। यानी पिछले साल अक्षय तृतीया अगर किसी इन्वेस्टर ने 20 ग्राम सोना खरीदा होगा तो उसे इस साल अक्षय तृतिया पर 8,780 रुपये का फायदा होता।

60,000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जा सकता है सोना

IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता बताते हैं कि सोने में निवेश करना हमेशा से फायदेमंद रहा है। महंगाई का असर सोने के निवेश पर पड़ता है और जिस तरह से ग्लोबल इन्फ्लेशन बढ़ रहे हैं इससे सोने की कीमतें बढ़ेंगी और इससे सोने में निवेश करने वालों को फायदा हो सकता है। इस साल सोने के भाव 55 हजार रुपये तक पहुंच गए थे।

शक्कर में तेजी, खाद्य तेल नरम, दलहन में गिरावट, दाल- चावल मजबूत

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली बताई गई। खाद्य तेल गिरावट लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड नीचा होकर बिका। दलहनों में मसूर सस्ता बिका। दालों में ग्राहकी होने से मजबूती दर्ज की गई। चावल में खरीदी बढ़ी रही।

किराना बाजार

शक्कर में पूछपरख बताई गई। आज शक्कर में कामकाज 3630 से 3680 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली बनी रही। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में नरमी दर्ज की गई। आज पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड नीचा होकर बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मसूर सस्ती बिकी।
दालों में लिवाली से मजबूती दर्ज की गई । चावल में उठाव बना रहा। शक्कर 3630 से 3680 रुपये प्रति क्विंटल।
खोपरा गोला 215 से 230 रुपये प्रति किलोग्राम।
खोपरा बूरा 2400 से 4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 175 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4600 से 5300, पैकिंग में 5600 से 5800 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6400 से 6500, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1710 से 1720, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1600 से 1610, सोयाबीन साल्वेंट 1590 से 1595, पाम तेल 1660 से 1665 रुपये प्रति 10 किलो।
तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, चना (कांटा) 4800 से 4850, मसूर 6500 से 6550, मूंग 6600 से 6700, मूंग हल्की 6000 से 6500, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5900 से 6400, तुअर दाल सवा नंबर 8200 से 8300, तुअर दाल फूल 8400 से 8600, तुअर दाल नई 8900 से 9600, आयातित तुअर दाल 8000 से 8100, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8300 से 8600, मूंग मोगर 8700 से 9000, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1400 से 1410, मैदा 1350 से 1360, आटा 1310 से 1320, चना बेसन 3175 से 3200 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

भारत ने जर्मन ऊर्जा कंपनियों को देश में निवेश के लिए किया आमंत्रित

नयी दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने मंगलवार को भारत को अक्षय ऊर्जा (आरई) में निवेश के लिए सबसे बेहतर जगह बताते हुए, जर्मन ऊर्जा कंपनियों को देश में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

प्रमुख जर्मन ऊर्जा कंपनियों के साथ वर्चुअल गोलमेज बैठक में, श्री सिंह ने कहा कि भारत पहले से ही दुनिया में सबसे बड़ी आरई क्षमता में से एक है और आरई क्षमता वृद्धि की दर सबसे तेज भी है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने उपयोग के लिए बैटरी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया में कुछ सबसे बड़ी क्षमताओं को भी जोड़ देगा और बढ़ती वैश्विक मांग को भी पूरा करेगा।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक होगा, साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन का निर्माण सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने जर्मन कंपनियों को कहा कि भारत की योजना अपतटीय क्षेत्र में पवन उर्जा की महत्वपूर्ण अवसर पैदा करेगी।

उन्होंने कहा,हमारी योजना अपने देश में 30,000 मेगावाट अपतटीय पवन ऊर्जा की क्षमता रखने की है।

उन्होंने जर्मन कंपनियों को उच्च दक्षता वाले सौर सेल और मॉड्यूल के निर्माण में भाग लेने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने कहा कि जर्मनी को बड़ी मात्रा में ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया आयात करने की आवश्यकता होगी और उन्हें भारत से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आमंत्रित किया है।

गौरतलब है कि भारत और जर्मनी ने सोमवार को इंडो-जर्मन हाइड्रोजन टास्क फोर्स पर एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए।

पूर्वोत्तर में इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के पांच केंद्रों का उद्घाटन करेंगे चंद्रशेखर

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर शुक्रवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) के पांच केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। ये केंद्र असम में डिब्रूगढ़ और जोरहाट, अरुणाचल प्रदेश में पस्सीघाट, नगालैंड में दीमापुर और मणिपुर में सेनापति में स्थापित किए गए हैं। मंगलवार को यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल एवं उद्यमशीलता विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर दीमापुर से इन केंद्रो का उद्घाटन करेंगे। चंद्रशेखर तीन दिन की सरकारी यात्रा पर नागालैंड की यात्रा पर जा रहे हैं। बुधवार को वह दीमापुर हवाई अड्डा पहुचेंगे। वहां से किफिरे जाएंगे, जहां केंद्र के आंकाक्षी जिला कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए जिले के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। वह किफिरे जिला चिकित्सा केंद्र भी देखने जाएंगे। यह जिला 2021 में आंकाक्षी जिलों में स्वास्थ्य और पोषण सूचकांक में सबसे ऊपर था।

35 प्रतिशत तक महंगा हो सकता है जीरा, इस बार पैदावार में आ सकती है तेज गिरावट

नई दिल्ली। फसल सीजन 2021-22 में पैदावार में तेज गिरावट के कारण जीरे की कीमतें 5 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच सकती हैं। भारत का जीरे का प्रॉडक्शन 35 फीसदी घट सकता है, इससे जीरे की कीमतों में 30-35 फीसदी का उछाल आ सकता है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के हवाले से कही गई है। जीरे का क्रॉप सीजन नवंबर से शुरू होता है और मई तक चलता है। काली मिर्च के बाद जीरा, दुनिया भर में दूसरा सबसे पॉप्युलर मसाला है।

सालाना आधार पर 35प्रतिशत घट सकता है जीरे का आउटपुट

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, रबी सीजन 2021-22 के दौरान जीरे का पैदावार क्षेत्र सालाना आधार पर 21 फीसदी घटकर 9.83 लाख हेक्टेयर रहने की उम्मीद है। सबसे ज्यादा गिरावट प्रमुख उत्पादक राज्यों गुजरात और राजस्थान में आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिकूल मौसम के कारण यील्ड पर असर पड़ा है। गुजरात में पैदावार सालाना आधार पर 20 फीसदी और राजस्थान में 15 फीसदी घटी है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का मानना है कि भारत की जीरे की पैदावार सालाना आधार पर 35 फीसदी घटकर 5,580 लाख टन रह सकती है।

भारत से होने वाले जीरे के एक्सपोर्ट पर भी पड़ा है असर

जीरे की पैदावार बड़े पैमाने पर भारत, सीरिया, तुर्की और यूएई में होती है। भारत में जीरे की पैदावार पर असर पड़ने का एक कारण यह भी है कि बुआई सीजन के दौरान किसान ऊंची कीमतों के कारण सरसों और चने की फसल का रुख कर रहे हैं। सरसों की कीमत 43 फीसदी बढ़कर 74 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। जबकि चने की कीमतों में करीब 35 फीसदी का उछाल आया है। भारत से होने वाले जीरे के एक्सपोर्ट पर भी असर पड़ा है। फाइनेंशियल ईयर 2022 में इसमें सालाना आधार पर 24 फीसदी की गिरावट आई है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। देश की तेल विपणन कंपनियों ने लगातार 27वें दिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच देश में मंगलवार को भी ईंधन की कीमतों में टिकाव बना रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.16 प्रतिशत गिरकर 107.41 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.19 प्रतिशत की मंदी के साथ 104.97 डालर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने 37 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	105.41	96.67
कोलकाता	115.12	99.83
मुंबई	120.51	104.77
चेन्नई	110.85	100.94

शार्ट न्यूज

क्या आरसीबी के पास है जड्डू और ब्रावो का तोड़

पुणे। बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल के इस सीज़न का 49वां मुक़ाबला पुणे के एमसीए स्टेडियम में खेला जाना है। इस सीज़न की अच्छी शुरुआत करने के बाद आरसीबी एक बार फिर हार की पटरी पर है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स अपना पिछला मुक़ाबला जीत कर आ रही है। आईपीएल में दोनों टीमों के बीच हुई अब तक भिड़ंत के मामले में चेन्नई सुपर किंग्स आगे है। ऐसे में आंकड़ों के रास्ते दोनों टीमों के खिलाड़ियों की वस्तुस्थिति को टटोलने का प्रयास करते हैं। आरसीबी की बल्लेबाज़ी को अगर सबसे ज़्यादा ख़तरा किसी गेंदबाज़ से है तो वह कप्तानी छोड़ चुके रवींद्र जडेजा हैं। आरसीबी के धाकड़ बल्लेबाज़ों का जडेजा के ख़िलाफ़ रिकॉर्ड काफ़ी निराशाजनक रहा है। जडेजा टी20 में ग्लेन मैक्सवेल को कुल सात बार अपना शिकार बना चुके हैं। कुल 13 पारियों में मैक्सवेल ने जडेजा की 53 गेंदों पर 134 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। मैक्सवेल के अलावा टीम के एक और धाकड़ बल्लेबाज़ विराट कोहली बाएं हाथ के इस स्पिन गेंदबाज़ को नहीं खेल पाते। कोहली 16 पारियों में कुल तीन बार जडेजा की गेंदों का शिकार हो चुके हैं। वहीं इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी महज़ 108 का रहा है। कोहली ने जडेजा की 123 गेंदों का सामना करते हुए 133 रन बनाए हैं। जबकि दिनेश कार्तिक भी टी20 में कुल तीन बार जडेजा का शिकार हो चुके हैं। हालांकि कोहली ने आईपीएल में किसी एक फ़्रैंचाइज़ी के ख़िलाफ़ सबसे ज़्यादा 949 रन (28 पारियां) भी चेन्नई के विरुद्ध ही बनाए हैं। उन्होंने चेन्नई के ख़िलाफ़ अपने आईपीएल करियर के सबसे अधिक नौ अर्धशतक भी जड़े हैं।

पूरन बने वेस्टइंडीज़ के सीमित ओवर के कप्तान

पोर्ट ऑफ स्पेन। निकोलस पूरन को वेस्टइंडीज़ का सीमित ओवर कप्तान नियुक्त किया गया है। वेस्टइंडीज़ क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी। शाई होप को वनडे और टी20 टीम का उप कप्तान बनाया गया है। कीरोन पोलार्ड ने पिछले महीने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, यह निर्णय उसी फ़ैसले के बाद में आया है। पिछले साल तक पूरन सफ़ेद गेंद क्रिकेट में वेस्टइंडीज़ के उप कप्तान थे, जबकि पोलार्ड टीम की कप्तानी कर रहे थे। पिछले वर्ष टी20 विश्व कप से पहले ऑस ?ट्रेलिया के ख़िलाफ़ घर में हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज़ में पूरन ने टीम की कप्तानी की थी। कुल मिलाकर उन्होंने 10 अंतर्राष्ट्रीय मैचों (आठ टी20 और दो वनडे) में टीम की कप्तानी की है, जहां उन्होंने चार जीते हैं और छह हारे हैं। पूरन ने कप्तान बनने के बाद कहा, मैं वेस्टइंडीज़ टीम का कप्तान बनने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं खेल के कई दिग्गजों के नक्शेकदम पर चल रहा हूं, जिन्होंने वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए एक अद्भुत विरासत बनाई है। यह वास्तव में एक प्रतिष्ठित भूमिका है, जिसका वेस्टइंडीज़ समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि क्रिकेट वह शक्ति है जो हम सभी को एक साथ लाती है। कप्तान बनना वास्तव में मेरे अब तक के करियर का मुख्य आकर्षण है और मैं अपने प्रशंसकों और समर्थकों के लिए महान चीज़ों को हासिल करने का प्रयास करुंगा।

अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों से अधिक कौशल विकसित करने का आह्वान किया

बेंगलुरु। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि हमें खेल खेलने के लिए सप्ताहांत या छुट्टियों के दिनों का इंतजार नहीं करना चाहिए बल्कि कहीं भी और किसी भी समय खेल शुरू कर देना चाहिए। ठाकुर ने पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस (सीएसई) में खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि इस केंद्र की अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए अधिक कौशल विकसित करने के उद्देश्य हेतु किया जाना चाहिए। पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस (सीएसई) बेंगलुरु में 15 एकड़ में बना एक विश्व स्तरीय एकीकृत खेल परिसर है। इसमें बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, तैराकी, स्क्वॉश, बास्केटबॉल और निशानेबाजी में अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी और मनोविनोद एथलीटों, पेशेवर कोचों, खेल अकादमियों और इच्छुक युवा प्रतिभाओं को उनकी पसंद के खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। सीएसईको अभी हाल में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा बैडमिंटन और तैराकी दोनों के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी गई थी। सीएसई की अकादमियां खेल संस्कृति के निर्माण और प्रोत्साहन के लिए जमीनी स्तर पर कार्यक्रमों को पूरा करती हैं और साथ-साथ ही भविष्य में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार करने का लक्ष्य भी निर्धारित करती है। सीएसई ने पहले ही लक्ष्य सेन, श्रीहरि नटराज, अश्विनी पोनप्पा और अपूर्वी चंदेली जैसे भारत के कुछ सर्वाधिक प्रतिभाशाली और सफल एथलीटों की मेजबानी की है।

बंगाल को हरा मेजबान केरल ने जीता संतोष ट्रॉफी खिताब

मलप्पुरम। मेजबान केरल ने पय्यानाड स्टेडियम में सोमवार रात को खेले गए 75वीं संतोष ट्रॉफी राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप को रोमांचक मुकाबले में पेनल्टी शूट आउट से पश्चिम बंगाल को 5-4 से हरा कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। इस टूर्नामेंट में अविजित रहे केरल ने सातवीं बार ट्रॉफी को अपने नाम किया, जबकि वह अभी तक संतोष ट्रॉफी का 15 फाइनल मैच खेला है। केरल ने ग्रुप ए में पश्चिम बंगाल को 2-0 से मात दी थी। इससे पहले केरल ने 2018 में पश्चिम बंगाल को ही हराकर संतोष ट्रॉफी को अपने नाम किया था। नियमित समय में दोनों का स्कोर 0-0 रहा और अतिरिक्त समय में खेल 1-1 पर समाप्त हुआ। बंगाल के खिलाड़ी दिलीप ओराव ने मैच के पहले हाफ के 97 वें मिनट में क्रॉस खेला कर गोल दागा। केरल के डिफेंस में गलती भी हुई। हालांकि केरल के मोहम्मद सफनद ने अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ के 117वें मिनट में हेडर से गोल कर बराबरी कर ली। पेनल्टी शूटआउट में पश्चिम बंगाल के संजल बाग चूक गए और दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपने चार गोल को लक्ष्य तक पहुंचाया, अंत में स्कोर 5-4 पर रहा।

जैन यूनिवर्सिटी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में रही शीर्ष पर

बेंगलुरु। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम 2021 का समापन मंगलवार को यहां पुरुष तथा महिला कबड्डी के फाइनल मुकाबलों के साथ हुआ। ये खेल दस दिन तक चले जिसमें अनेक रोमांचक एक्शन देखने को मिला। इन खेलों की मेजबानी करने वाली जैन यूनिवर्सिटी ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंदी लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (17 गोल्ड, 15 सिल्वर, 19 कांस्य) से तीन अधिक कुल 20 स्वर्ण पदक जीत कर इन खेलों का समापन किया, जबकि एलपीयू ने इस प्रतियोगिता में सभी विश्वविद्यालयों से सबसे अधिक पदक जीते। हालांकि उनके खेमे में सोने की कमी ने मेजबान जैन यूनिवर्सिटी से खिताब गवां दिया। पिछले बार के चैंपियन पंजाब यूनिवर्सिटी 15 स्वर्ण, नौ सिल्वर , 24 कांस्य के साथ तीसरे पायदान पर रही। उल्लेखनीय है कि इन खेलों ने अपने पिछले संस्करण के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में सुधार किया। इस बार के खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कुल 91 रिकॉर्ड टूटे और बने। भारोत्तोलन में 42, पूल में 28जबकि एथलेटिक्स में 23 रिकॉर्ड बने। इस स्पर्धा में दो नेशनल रिकॉर्ड भी टूटे। शिवा श्रीधर ने 200 मीटर रेस में नया मुकाम बनाया वहीं एमटी एन मारिया ने महिलाओं के भारोत्तोलन में 87 किलोग्राम से ज्यादा के वर्ग में क्लीन एंड जर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया। श्रीधरन ने सात स्वर्ण पदक और दो रजत पदक के साथ कुल नौ पदक जीते।उन्होंने भी नया रिकॉर्ड कायम किया। तैराक श्रृंगी बांदेकर ने चार स्वर्ण और एक रजत पर जीते, जो इस खेल में सबसे सफल महिला एथलीट हैं। प्रिया मोहन ने भी 200 मीटर और 400 मीटर में ट्रैक पर अपनी अहम छाप छोड़ी। प्रिया ने 200 मीटर में ओलम्पियन दुती चंद को पछाड़ा। कोटा यूनिवर्सिटी ने चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी को फाइनल में हराकर पुरुष कबड्डी का स्वर्ण पदक जीता जबकि महिला वर्ग का खिताब कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के हिस्से में गया।

जमशेदपुर को हराकर आरएफ यंग चैंप्स ने विजय क्रम जारी रखा, बेंगलुरू ने शीर्ष-2 में स्थान पक्का किया

एजेंसी

पणजी। रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) ने मंगलवार को नागोवा मैदान पर खेले गए रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के पांचवें दौर के मुकाबले में जमशेदपुर एफसी पर 1-0 से जीत हासिल की। यह उसकी लगातार तीसरी जीत है। इस बीच, बेनॉलिम ग्राउंड में खेले गए एकतरफा मुकाबले में बेंगलुरू एफसी ने चेन्नइयन एफसी पर 3-0 से जीत के साथ खुद के लिए शीर्ष-2 में स्थान पक्का कर लिया है।

इस मैच में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) के लिए एकमात्र गोल राशिद सीके ने 16वें मिनट में फ्री किक पर किया। इस जीत का मतलब यह है कि आरएफ यंग चैंप्स अब पांच मैचों से सात अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जमशेदपुर के भी पांच मैचों में सात अंक हैं, लेकिन वह अपने खराब हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के कारण कारण पांचवें स्थान पर है।

आरएफ यंग चैंप्स ने उस समय शुरुआती बढ़त हासिल कर ली, जब दोनों टीमों ने गेंद पर कब्जा बनाए रखते हुए मैच में पैठ बनाने की कोशिश की। भुजेल को एक झटकेदार दौड़ के बाद बॉक्स के किनारे पर फाउल किया गया था।

इस पर यंग चैंप्स को फ्री किक मिली। राशिद ने फ्री किक को पोस्ट के निचले बाएं कोने में घुसा दिया। कीपर को इसे रोकने का कोई मौका नहीं मिला। दूसरी ओर, आरएफ यंग चैंप्स के डिफेंडर सलमान फारिस एक चट्टान की तरह दिख थे।

उन्होंने बारला के प्रयास के क्रॉसबार से टकराने से पहले गोल लाइन के पास लालरुतमाविया के प्रयास को दिशाहीन किया था। लालरुत्माविया के बॉक्स के अंदर फंसने के बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में मेती को अपनी टीम को बराबरी पर लाने का सुनहरा मौका मिला लेकिन वह सफल नहीं हो सके। जमशेदपुर ने बराबरी के लिए जोर लगाया लेकिन आरएफ यंग चैंप्स ने मजबूती से काम किया। हालांकि दोनों टीमों ने अंत तक मौके गंवाए।

ब्लूज़ नाम से मशहूर बेंगलुरू एफसी के पांच मैचों में 15 अंक हो गए हैं और वह किसी भी परिस्थिति में आठ टीमों की तालिका में दूसरे स्थान से नीचे नहीं आ सकता है। आरएफडीएल की शीर्ष दो टीमें इस साल के अंत में पहली बार यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाले नेक्स्ट जेन कप में खेलेंगी। देश में फुटबॉल के विकास को समर्थन देने के लिए हीरो इंडियन सुपर लीग के साथ अपनी पुरानी साझेदारी के हिस्से के रूप में नेक्स्ट जेन कप की मेजबानी प्रीमियर लीग (पीएल) द्वारा की जाएगी।

नौशाद मूसा की टीम के लिए इस मैच में लास्टबोर्न मावफियांग ने 25वें और 69वें मिनट में गोल किया जबकि बेके ओराम ने 68वें मिनट में टीम के लिए योगदान दिया। बेंगलुरू की टीम शुरू से अंत तक चढ़कर खेली और अब तक इस इवेंट में अजेय बनी रही। उसके लिए दूसरे हाफ में आरएफ यंग चैंप्स के प्राडक्ट हुईड्रोम थोई सिंह ने 66वें मिनट में मैदान में प्रवेश के साथ अपना प्रभाव दिखाना शुरू किया। राहुल राजू ने भी प्रभावशाली खेल दिखाया लेकिन चेन्नइयन के गोलकीपर देवांश डबास ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया।

हालांकि थोई ने गेंद को फिर से कलेक्ट किया और बेके को पास दिया, जिस पर उन्होंने गोल कर दिया। इसके एक मिनट बाद लास्टबोर्न ने बेके के पास पर एक और गोल करते हुए मैच समाप्त कर दिया।

चेन्नइयन एफसी को पांच मैचों में एक भी जीत नहीं मिल सकी है। वह दो अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। बेंगलुरू अभी टेबल टॉपर हैं।

अमित शाह ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजकों की सराहना की

एजेंसी

बेंगलुरु। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 के एक शानदार संस्करण का समापन हो गया। इस खेल ने देश के महत्वकांक्षी युवा एथलीटों को अपने-अपने विश्वविद्यालयों को गौरवान्वित करने का एक सुनहरा मंच प्रदान किया। मेजबान जैन यूनिवर्सिटी इस खेल का चैंपियन रहा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस खेल के समापन समारोह में मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने मेजबान जैन यूनिवर्सिटी को समग्र चैंपियन का खिताब दिया। जैन यूनिवर्सिटी ने 20 स्वर्ण, 7 रजत और पांच कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। एलपीयू ने 17 स्वर्ण, 15 रजत तथा 19 कांस्य पदक जीते, जबकि पिछले साल के विजेता पंजाब यूनिवर्सिटी 15 स्वर्ण, 9 कांस्य तथा 24 रजत पदक के साथ तीसरे पायदान पर रहा।

इस दौरान समापन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय खेल तथा युवा मामलो के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर तथा खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भी मौजूद रहे।

टोक्यो ओलंपिक खेल में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। इस दौरान दोनों टीमों को गृह मंत्री शाह ने सम्मानित किया।

देश के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन का सराहना करते हुए शाह ने एएलयू द्वारा तैयार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन करते हुए कहा, मैं सभी विश्वविद्यालय तथा खेलो इंडिया युनिवर्सिटी गेम में भाग लेने वाले सभी एथलीटों को बधाई देता हूं।

इस खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ी तारीफ के योग्य हैं। हार और जीत यह खेल के दो हिस्से हैं, लेकिन खेल में भाग लेकर स्पर्धा करना बहुत बड़ी बात है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को हर क्षेत्र में नंबर वन बनाने के लिए संकल्प लिए हैं। वह परेशानियों से कभी चिंतित नहीं होते हैं। वह एक योजना के तहत कठीन कार्य करते हैं, जिसके बाद परिणाम दिखने लगता है। खेल में उन्होंने कई पहल की है, जो आज हम एक शानदार परिणाम देख रहे हैं।

अमित शाह ने कहा, मैं सभी एथलीटों से कहना चाहता हूं खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो भी खेल खेलेगा वह अपने जीवन में सफल होगा, क्योंकि खेल हमें बाधाओं को पार करने का शक्ति प्रदान करता है, इसी से आपके अंदर जीत की इच्छा का विकास हो सकता है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए ओलंपिक में हमारे एथलीटों ने हमें गौरवान्वित कर दिया। प्रधानमंत्री ने एक एक रोडमैप तैयार किया है जो सुनिश्चित करेगा कि 2047 में भारत जब आजादी का 100 वां स्वतंत्रा दिवस मना रहा होगा तब भारत ओलंपिक में शीर्ष पांच देशों में शुमार होगा।

रबादा-शिखर के दम पर पंजाब ने गुजरात को 8 विकेट से पीटा

मुम्बई। तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा (33 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (नाबाद 62) के बेहतरीन अर्धशतक के दम पर से पंजाब किंग्स ने चोटी की टीम गुजरात टाइटंस को मंगलवार को आईपीएल मुकाबले में 24 गेंद शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया।

पंजाब ने गुजरात को 20 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन के सामान्य स्कोर पर रोकने के बाद 16 ओवर में दो विकेट पर 145 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। गुजरात की 10 मैचों में यह दूसरी हार है लेकिन 16 अंकों के साथ उसका तालिका में शीर्ष स्थान कायम है। दूसरी तरफ पंजाब ने 10 मैचों में पांचवीं जीत हासिल की और पांचवें स्थान पर पहुंचकर उसने अपनी उम्मीदों को कायम रखा।

गुजरात के बल्लेबाज पंजाब किंग्स के खिलाफ जूझते नजर आए। दोनों ओपनर जल्दी आउट हुए, तो कप्तान हार्दिक पांड्या और डेविड मिलर का भी बल्ला नहीं चल पाया और बाद में शिखर धवन पंजाब की पूरी पारी में छाए रहे। शिखर ने अपने मैच विजयी अर्धशतक के लिए 53 गेंदें खेलीं और नाबाद 62 रन की पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। शिखर ने लियाम लिविंग्स्टन के साथ तीसरे विकेट के लिए चार ओवरों में 48 रन की अविजित साझेदारी की। लिविंग्स्टन ने 10 गेंदों पर नाबाद 30 रन में दो चौके और तीन छक्के लगाए। भानुका राजपक्षा ने 28 गेंदों पर 40 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। जानी बेयरस्टो एक रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले गुजरात ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 67 रन तक अपने चार विकेट गंवा दिए। एक छोर से विकेटों के गिरने के बीच साई सुदर्शन ने दूसरा छोर संभाल कर खेलते हुए 50 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 65 रन बनाये। रिद्धिमान साहा ने 21, डेविड मिलर ने 11, राहुल तेवतिया ने 11 रन का योगदान दिया। गुजरात के स्कोर में आठ वाइड सहित 14 अतिरिक्त रनों का भी योगदान रहा।

बिजली संकट ने बढ़ाया सरकार पर बोझ, 1.9 करोड़ टन कोयले का आयात करेगा भारत

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में पड़ रही भीषण गर्मी ने बिजली की खपत में भी इजाफा कर दिया है। लेकिन कोयले की सप्लाई में कमी ने एक नया संकट पैदा कर दिया है और कई राज्यों में पावर कट हो रहा है। इस बीच सरकार संकट से निपटने के लिए कोयले के आयात को बढ़ाने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट बताती है कि भारत जून तक विदेश से 1.9 करोड़ टन कोयले के आयात को लेकर काम कर रहा है। बढ़ते गर्मी के कारण बढ़ रहे बिजली खपत को देखते हुए भारत सरकार यह कदम उठा रही है। बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला आयातक देश है और बिजली के बढ़ते खपत को देखते हुए और कोयला मंगवा रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल में पड़े भयंकर गर्मी के कारण भारत में

पिछले छह सालों में सबसे खराब बिजली संकट पैदा हो गया है। बिजली मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के स्वामित्व वाली यूटिलिटीज को 22 मिलियन टन कोयले और निजी बिजली संयंत्रों को आयात करने के लिए 15.94 मिलियन टन आयात करने के लिए कहा है। राज्य के ऊर्जा विभागों के टॉप अधिकारियों को लिखे गए चिठ्ठी में बिजली मंत्रालय ने 30 जून तक आवंटित मात्रा का 50 प्रतिशत, अगस्त के अंत तक 40 प्रतिशत और अक्टूबर के अंत तक शेष 10 प्रतिशत की डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

अप्रैल में बढ़ी 13.6 फीसद खपत

अप्रैल 2022 में भारत में बिजली की मांग 13.6 फीसद बढ़कर 132.98 बिलियन यूनिट पहुंच गई है। बता दें कि अप्रैल 2021 में देश में बिजली की खपत 117.08 बिलियन यूनिट थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक झारखंड में करीब 12 फीसद कम बिजली की आपूर्ति की जा रही है। झारखंड के साथ ही मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में भी बिजली आपूर्ति की कमी देखी जा रही है।

60 फीसद पावर प्लांट्स में कोयले की कमी

देश के कुल 150 पावर प्लांट्स में 88 प्लांट्स में कोयले की कमी रिपोर्ट है। आसान भाषा में इसका मतलब यह है कि भारत के 60 फीसद प्लांट्स कोयले की कमी का सामना कर रहे हैं। जिन 88 पावर प्लांट्स में कोयले की कमी है उसमें से 42 राज्य सरकार, 32 प्राइवेट, 12 केंद्र सरकार और 2 जॉइंट वेंचर के अधीन हैं।

मोदी ने निवेश के लिए डेनमार्क की कंपनियों को दिया निमंत्रण

कोपेनहेगन/नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और डेनमार्क के लिए कौशल क्षेत्र में परस्पर सहयोग की अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने डेनमार्क की कंपनियों को भारत में हरित प्रौद्योगिकी, कोल्ड-चेन, कचरे के उपयोग तथा जहाजरानी और बंदरगाह जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार के विशाल अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

मोदी कोपेनहेगन में मेजबान प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन के साथ भारत-डेनमार्क व्यापार मंच की बैठक को संबोधित किया। इस बैठक में दोनों देशों के कंपनी जगत के प्रतिनिधि शामिल थे। बैठक में डेनमार्क के युवराज फ्रेडरिक भी मौजूद थे।

मोदी ने कहा कि भारत और डेनमार्क की अर्थव्यवस्थाएं कौशल के मामले में एक दूसरे के पूरक की भूमिका निभाने की च्छी स्थिति में हैं।

उन्होंने डेनमार्क की कंपनियों को भारत में हरित प्रौद्योगिकियों, कोल्ड चेन, कचरे से धन, शिपिंग और बंदरगाहों जैसे क्षेत्रों में भारत के विशाल अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत में व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण है। उन्होंने दोनों पक्षों के व्यवसायी समुदाय को परस्पर सहयोग के नए-नए अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

फ्रेडरिकसन ने कहा कि भारत और डेनमार्क का व्यापारिक समुदाय दोनों देशों के बीच एक सेतु के रूप में काम करता है।

इस आयोजन में दोनों देशों की ओर से हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटलीकरण, पेट्रोलियम और नवीकरणीय ऊर्जा जल, पर्यावरण और कृषि, बुनियादी ढांचा, परिवहन और कुछ अन्य क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधि थे।

इस बैठक में भाग लेने वाले व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री संजीव बजाज (अध्यक्ष और एमडी, बजाज फिनसर्व लिमिटेड),बाबा एन कल्याणी (अध्यक्ष और एमडी, भारत फोर्ज) महेंद्र सिंघी (एमडी और सीईओ, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड), रिजवान सोमर (सीईओ और एमडी, हिंदुस्तान पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड), दर्शन हीरानंदानी (अध्यक्ष, हीरानंदानी समूह), पुनीत छतवाल (एमडी और सीईओ, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड), दीपक बागला (सीईओ और एमडी, इन्वेस्ट इंडिया), रितेश अग्रवाल (संस्थापक और सीईओ, ओयो रूम्स), सलिल सिंघल, चेयरमैन एमेरिटस (पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड), सुमंत सिन्हा (अध्यक्ष और एमडी, रिन्यू पावर), दिनेश खारा, अध्यक्ष (भारतीय स्टेट बैंक), सी पी गुरनानी (एमडी और सीईओ, टेक महिंद्रा लिमिटेड) और तुलसी तांती (सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड) शामिल थे।

डेनमार्क के व्यावसायिक प्रतिधिमंडल में एवीके,बैत्रो, कार्ल्सबर्ग, कोपेनहेगन इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स, कोवी एंड सीमेंस विंड पावर, डैनफॉस, डीएसवी, ग्रंडफोस, हल्दोर टॉपसे, हेम्पेल, आईएसएस, एल एम विंड पावर ब्लेड रैम्बॉल और रॉकवूल जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि थे।

रूसी सेना अब 'काफी' कमजोर : ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को दावा किया कि यूक्रेन पर आक्रमण के परिणामस्वरूप रूस की सेना 'अब भौतिक और वैचारिक रूप से काफी कमजोर' हो चुकी है। ब्रिटेन सरकार ने दावा किया कि भविष्य में पारंपरिक सैन्य बल को तैनात करने की रूस की क्षमता प्रभावित होगी। उसने कहा कि रूस की सेना यूक्रेन पर आक्रमण के परिणामस्वरूप अब भौतिक और वैचारिक दोनों रूप से काफी कमजोर हो गयी है। प्रतिबंधों के कारण रूस इससे आसानी से नहीं उबर सकेगा। इसका पारंपरिक सैन्य बल तैनात करने की रूस की क्षमता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। उसने कहा कि 2005 और 2018 के बीच रूस का रक्षा बजट लगभग दोगुना हो गया है। ब्रितानी रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, रूस का रक्षा बजट 2005 और 2018 के बीच लगभग दोगुना हो गया है, जिसमें कई उच्च-स्तरीय वायु, भूमि और समुद्री क्षमताओं में निवेश किया गया है। वर्ष 2008 से इसने व्यापक सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम 'न्यू लुक' शुरू किया है। ब्रिटेन ने कहा कि रूस तमाम प्रयासों के बावजूद यूक्रेन पर हावी होने में सक्षम नहीं हो सका है।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के 51,131 नये मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 51,131 नये मामले सामने के साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या 17,346,753 हो गयी हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि नये मामलों में से 45 बाहर से आये लोगों के मामले हैं। यह संख्या अब 32,041 हो गई हैं। उन्होंने बताया कि देश में गंभीर मरीजों की संख्या 44 घटकर 417 हो गई हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान 49 लोगों की हुई है। जिससे इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23,007 हो गई। मृत्यु दर 0.13 प्रतिशत है।

स्पेन में पेगासस प्रणाली से प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के फोन टैप किए गए

मैड्रिड। स्पेन के एक अधिकारी ने दावा कि पेगास प्रणाली के जरिए प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और रक्षा मंत्री मार्गरीटा रॉबल्स के मोबाइल फोन टैप किए गए थे। स्पेन के राष्ट्रपति कार्यालय के मंत्री फेलिक्स बोलानोस ने सरकारी प्रवक्ता इसाबेल रोड्रिगेज के साथ सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि स्पैनिश नेशनल क्रिप्टोलॉजिक सेंटर की दो तकनीकी रिपोर्टों के अनुसार, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के फोन पेगासस प्रणाली का उपयोग कर 'गैर कानूनी' तरीके से बाहर सुने गए थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के फोन की मई 2021 में जासूसी का प्रयास हुआ था। वहीं रक्षा मंत्री मार्गरीटा रॉबल्स के फोन की एक महीने बाद जासूसी की रिपोर्ट है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गंभीर मामला है। इससे साबित होता है कि बाहरी लोगों ने घुसपैठ कर रहे है। उन्होंने कहा कि इसकी सूचना न्यायपालिका को दे दी गई हैं जिससे पूरी जांच के बाद सच्चाई सामने आ सके।

श्रीलंका : विपक्ष ने राष्ट्रपति व सरकार के खिलाफ पेश किए अविश्वास प्रस्ताव

कोलंबो। श्रीलंका में जारी आर्थिक संकट के बीच विपक्षी दल सामागी जना बालावेगाया (एसजेबी) ने मंगलवार को राष्ट्रपति राजपक्षे गोतबाया और उनकी सरकार के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव पेश किये। विपक्षी दल ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव संसद के अध्यक्ष (स्पीकर) को सौंप दिए गए हैं। पार्टी ने ट्वीट किया,एसजेबी ने राष्ट्रपति और उनकी सरकार के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव संसद के अध्यक्ष (स्पीकर) को सौंप दिए हैं। सदन में विपक्ष का नेता और एसजेबी नेता संजीत प्रेमदासा ने भी इसकी जानकारी अपने ट्विटर अकाउंट से दी। श्रीलंका की स्थानीय समाचार एजेंसी न्यूज वायर ने बताया कि एसजेबी सांसद लक्ष्मण किरीला ने कहा कि अविश्वास प्रस्तावों को सदन के अध्यक्ष (स्पीकर) महिंदा यापा अबेवर्धना को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक प्रस्ताव श्री गोतबाया के खिलाफ तथा दूसरा प्रस्ताव उनकी सरकार के खिलाफ पेश किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

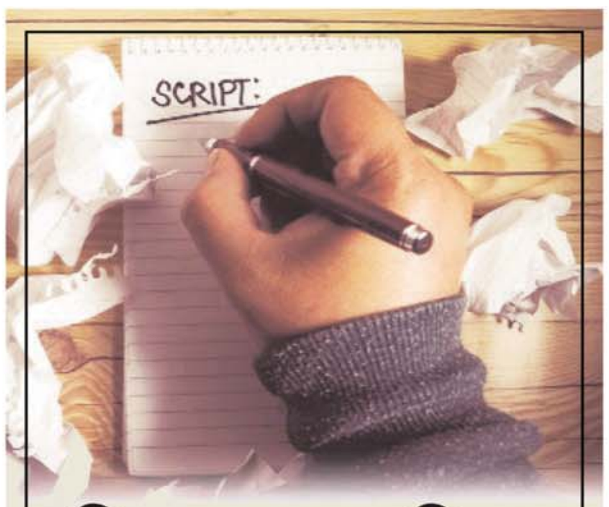

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

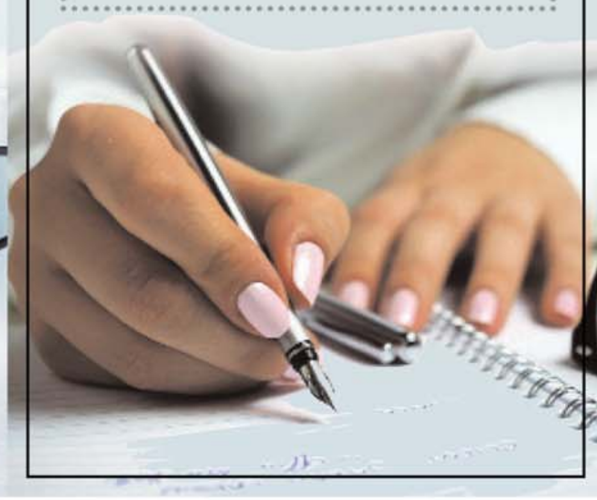

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गई। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

CMYK CMYK CMYK CMYK